सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया में नंबर-4 पर किसे मिलेगा मौका? उपकप्तान ऋषभ पंत ने खोले कई राज-पेज: 7

अल्लू अर्जुन होंगे नए शक्तिमान डायरेक्टर के नाम पर भी मुहर.. -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 71 | गुरुवार 19 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

पीएम मोदी की ट्रंप को दो टूक, साफ साफ कहा - आतंकवाद पर व्यापार नहीं, गोली का जवाब गोले से देगें

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद आज 18 जून को करीब 35 मिनट तक फोन पर गंभीर बातचीत हुई। यह वार्ता ट्रंप की पहल पर हुई, जब पीएम मोदी कनाडा में थे। उन्होंने पीएम मोदी को अमेरिका आने का न्योता भी दिया, लेकिन मोदी ने अपनी व्यस्तताओं के कारण इस दौरे को अभी असंभव बताया। यह दोनों नेताओं की सीजफायर के बाद पहली प्रत्यक्ष बातचीत थी।

बातचीत के मुख्य मुद्दे क्या रहे?

विदेश सचिव मिसरी ने बताया कि पीएम मोदी ने आतंकवाद पर भारत के पक्ष को रखा। दोनों नेताओं के बीच भारत पाकिस्तान के बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए तनाव पर भी चर्चा हुई। मिसरी ने बताया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर जारी है और इस पर भी पीएम मोदी की ट्रंप से बात हुई है। दोनों नेताओं के बीच इजरायल-ईरान तनाव पर भी चर्चा हुई। साथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद आज 18 जून को करीब 35 मिनट तक फोन पर गंभीर बातचीत हुई।

ही उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है। अमेरिका से सीजफायर पर कोई बात नहीं हुई। भारत नहीं चाहता किसी तीसरे पक्ष की दखल विदेश सचिव ने कहा कि पीएम मोदी ने यह दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाई है, और इसका व्यापार या कूटनीतिक समझौतों से कोई लेना-देना नहीं है। पाकिस्तान के कहने पर ही भारत ने अस्थायी सीजफायर का कदम उठाया था। मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि अब भारत आतंकवादी गतिविधियों को प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि सीधा युद्ध मानकर उसका जवाब देगा।

पाकिस्तान को गोले से मिलेगा जवाब - पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को बताया कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह स्पष्ट कर दिया था कि वह आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। 6-7 मई की रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया। मोदी ने कहा कि भारत अब पाकिस्तान की हर गोली का जवाब गोले से देगा। 9 मई की रात अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी को फोन कर बताया कि पाकिस्तान भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। मोदी ने स्पष्ट कहा कि अगर ऐसा हुआ तो भारत का जवाब और भी कठोर होगा। और हुआ भी ऐसा 9-10 मई की रात भारत ने पाकिस्तान की ओर से हुई कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब दिया, जिससे पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ। दरअसल, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच कनाडा में जी-7 समिट के दौरान मुलाकात तय थी। लेकिन इजरायल-ईरान युद्ध की गंभीर स्थिति के चलते ट्रंप को 17 जून को अचानक अमेरिका लौटना पड़ा, जिससे यह बैठक नहीं हो सकी। इसके बाद ट्रंप के आग्रह पर फोन पर दोनों नेताओं की लंबी बातचीत हुई।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान, देश को मिलेगा 150 नई ट्रेनों का तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी): रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने ने बताया कि देश को जल्द ही 150 नई रेलों का तोहफा मिलने वाला है। रेल मंत्री ने बताया कि इन ट्रेनों में 100 नई मेन लाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (मेमू) और 50 नई नमो भारत एसी ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों के आने से कम दूरी की यात्रा और भी आरामदायक और सुविधाजनक हो जाएगी। पैसेंजर ट्रेन नेटवर्क का विस्तार और आधुनिकीकरण- रेल मंत्री ने कहा कि पहले से चल रही पैसेंजर ट्रेनों को भी बेहतर बनाने के लिए 1200 से ज्यादा अतिरिक्त जनरल कोच जोड़े गए हैं। यह कदम यात्रियों के लिए सीट उपलब्धता बढ़ाने और यात्रा अनुभव बेहतर बनाने के लिए है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नए मेमू ट्रेनें अब 16 से 20 कोच की होंगी, जबकि वर्तमान में ये 8 या 12 कोच की होती हैं। इससे ज्यादा यात्रियों को एक साथ यात्रा करने की सुविधा

मिलेगी। यह खासकर उन इलाकों के लिए फायदेमंद होगा जहाँ कम दूरी की रेल यात्रा ज्यादा होती है। 50 नई नमो भारत एसी ट्रेनें-सरकार ने नमो भारत ट्रेनें जो पहले से चल रही हैं, उनमें 50 नई एसी ट्रेनें जोड़ने की योजना बनाई है। इन ट्रेनों को यात्रियों से काफी अच्छा रिस्पांस मिला है। नई एसी ट्रेनें और ज्यादा क्षेत्रों को आरामदायक और आधुनिक रेल सेवा देंगी। माल ढुलाई के लिए बड़ा कदम- रेल मंत्री ने हरियाणा के मानेसर में भारत के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन किया।

हरियाणा में तृतीय श्रेणी के आठ हजार पदों की भर्ती प्रक्रिया होगी रद, सरकार क्यों कर रही है ऐसा

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा में तृतीय श्रेणी के करीब आठ हजार पदों के लिए जारी भर्ती प्रक्रिया रद होगी। प्रदेश सरकार ने इन भर्तियों के संबंध में जारी विज्ञापनों को वापस लेने की मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री नायब सैनी की मंजूरी के बाद मुख्य सचिव ने इस संबंध में नोटिस भी जारी कर दिया है। सरकार की ओर से दो दिन पहले ही हरियाणा पुलिस में 5600 पुरुष एवं महिला कांस्टेबल की भर्ती का विज्ञापन रद करने की मंजूरी दी गई थी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग अब इस पुलिस भर्ती के लिए सीईटी-2025 के बाद नया नोटिफिकेशन निकालने की तैयारी कर रहा है। सरकार ने पुराने आवेदकों को नए विज्ञापन में मौका देने का फैसला किया है। अब हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग कभी भी इन विज्ञापित पदों को वापस लेने का नोटिस जारी कर सकता है। इस बीच बुधवार को इंडियन रिजर्व बटालियन के 66,

स्टेनोग्राफी से जुड़े 1592 और कई अन्य विभागों के पद पर जारी विज्ञापन वापस ले लिया गया है। सरकार की तरफ से ग्रुप सी के फारेस्टर के 65, ड्राफ्ट मैन सिविल के 367, नेटवर्क असिस्टेंट के 16, आटो डीजल मैकेनिक के 319, फिटर/एक्सप्रेस के 180, ड्राफ्टमैन इलेक्ट्रिकल के आठ, ड्राफ्ट्समैन मैकेनिकल के चार, असिस्टेंट आर्कियोलाजिस्ट के 10, मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर के 24, स्टेनोग्राफर 1075, स्टेनोग्राफर इंग्लिश के 517, स्टेनो टाइपिस्ट हिंदी के 246, असिस्टेंट ड्राफ्टमैन सिविल के 156 पदों पर भर्तियों को वापस लिया गया है। प्रदेश सरकार ने तृतीय श्रेणी की कुछ भर्तियों को वापस नहीं करने का फैसला किया है। इनमें ग्रुप 25 के तहत सीनियर साइंटिफिक असिस्टेंट के 69 पद, ग्रुप सात के तहत फारेस्ट रेंजर के 57 पद और ग्रुप 45 के डिप्टी रेंजर के छह पद शामिल हैं।

बिहार चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी एएपी, संजय सिंह का बड़ा ऐलान

बिहार (एजेंसी): आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि इस साल के आखिर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी। राज्यसभा सदस्य और आप के बिहार मामलों के प्रभारी संजय सिंह ने राज्य की राजधानी पटना में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने यहां सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के खिलाफ आप द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। हम बिहार में चुनाव लड़ेंगे-संजय सिंह से उन अटकलों के बारे में पूछा गया था कि क्या आप बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है? पार्टी दिल्ली और पंजाब में मजबूत स्थिति में है और गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। उन्होंने सवाल का सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, हम बिहार में चुनाव लड़ेंगे। किन सीट पर चुनाव लड़ना है, इसका फैसला केंद्रीय नेतृत्व आने वाले

समय में करेगा। सिंह ने कहा, दिल्ली में भाजपा सरकार बिहार और पूर्वांचल के लोगों के साथ दुश्मन देश के नागरिकों जैसा व्यवहार कर रही है। उन्हें बेघर किया जा रहा है और बदले की भावना से झुग्गियों को तोड़ा जा रहा है। हम बिहार के लोगों से राज्य की सत्ता से भाजपा को बाहर करने के लिए वोट देने का आान करते हैं। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप को राष्ट्रीय राजधानी में दो बार सत्ता मिलने के इस साल के शुरूआत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली में विश्वासघात और बिहार में सद्भावना एक साथ नहीं चल सकती- राज्यसभा सदस्य ने आरोप लगाया, जब हम सत्ता में थे, तो भाजपा दिल्ली में रहने वाले बिहारवासियों और पूर्वांचलियों को झुग्गियों की जगह पक्के मकान देने का वादा करके लुभाती थी। लेकिन उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान प्रवासी भाइयों को बांग्लादेशी करार दिया। सिंह ने कहा, मैंने संसद में कड़ा विरोध जताया था। मैं यहां यह संदेश लेकर आया हूं कि दिल्ली में विश्वासघात और बिहार में सद्भावना एक साथ नहीं चल सकती। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा नेताओं से दिल्ली में प्रवासियों के साथ कथित दुर्व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की।

ट्रंप के साथ लंच करने जा रहे पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर, भारत को मिला कूटनीतिक झटका : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को दोपहर के भोजन पर पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मिलने वाले हैं, राष्ट्रपति के सार्वजनिक कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई है। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी प्रशासन ने मुनीर को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के समारोह में आमंत्रित करने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के सार्वजनिक कार्यक्रम से पता चला है कि ट्रंप दोपहर 1 बजे कैबिनेट रूम में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान के सेना प्रमुख के साथ लंच करेंगे। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की अमेरिका यात्रा डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, असीम मुनीर के अमेरिकी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से भी मिलने की उम्मीद है। यह मुलाकात इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और अमेरिका द्वारा तेहरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने के आान के बीच हो रही है। इस बीच, एक वरिष्ठ पाकिस्तानी सैन्य नेता ने दावा किया है कि इस्लामाबाद ने तेहरान को आश्वासन दिया है कि अगर इजरायल परमाणु मिसाइलों का इस्तेमाल करता है तो वह परमाणु हथियारों से जवाब देगा। अमेरिका-पाकिस्तान के सैन्य और

रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना? असीम मुनीर की अमेरिका यात्रा पाकिस्तानी सेना प्रमुख रविवार को पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर अमेरिका पहुंचे। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि यह यात्रा आधिकारिक तौर पर 14 जून को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न से जुड़ी नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना है। मुनीर की अमेरिका यात्रा के दौरान, शनिवार दोपहर को कई पीटीआई समर्थक पाकिस्तानी दूतावास के बाहर एकत्र हुए और पाकिस्तान में अप्रतिबंधित लोकतंत्र की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मुनीर की यात्रा को लेकर भारत में राजनीति शुरू हो गयी है कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को दोपहर के भोज पर आमंत्रित किए जाने से जुड़ी खबरों का हवाला देते हुए बुधवार को दावा किया कि भारतीय कूटनीति बिखर रही है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरी तरह चुप हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की ओर से बुधवार के लिए जारी ट्रंप के कार्यक्रम के अनुसार, वह कैबिनेट रूम में पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर के साथ दोपहर का भोज करेंगे। भारतीय कूटनीति बिखर रही है, प्रधानमंत्री चुप हैं: कांग्रेस कांग्रेस जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, वह व्यक्ति है जिनकी भड़काऊ और उकसाने वाली टिप्पणी 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमलों से सीधे जुड़ी थी, उन्हें आज व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप के साथ दोपहर के भोज पर बुलाया गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही वजह है कि राष्ट्रपति ट्रंप एक दिन पहले ही जी7 शिखर सम्मेलन छोड़कर चले गए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गले लगाने से मना कर दिया? रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद 14 बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया है जिसका मतलब है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को खत्म करा दिया। उन्होंने कहा, अमेरिकी केंद्रीय कमान के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को अभूतपूर्व साझेदार बताया था। रमेश ने दावा किया, नमस्ते ट्रंप द्वारा हाउडी मोदी को यह तिहरा झटका है! भारतीय कूटनीति बिखर रही है और प्रधानमंत्री पूरी तरह से चुप हैं।

जी-7 सम्मेलन में इमैनुएल मैक्रों से ऐसा क्या बोले पीएम मोदी? जिसे सुनकर हंसी कंट्रोल नहीं कर सके फ्रांस के राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा के दौरे पर हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी ने कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। इसी बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पीएम मोदी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें दोनों जोर से हंसते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो देखने के बाद हर किसी के मन में सवाल है कि आखिर पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति के कानों में ऐसा क्या कहा, जिसके बाद दोनों की हंसी नहीं रुक पाई? मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पीएम मोदी ने इमैनुएल मैक्रों की चुटकी ली। उन्होंने कहा मैक्रों से कहा, आजकल आप ट्वीटर (एक्स) पर भी एक्टिव हैं। यही सुनते मैक्रों जोर से हंस पड़े। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों गले मिले जी-7 सम्मेलन में इमैनुएल मैक्रों ने पीएम मोदी से हाथ मिलाया और फिर दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगा लिया। इस दौरान इमैनुएल मैक्रों ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से भी हाथ मिलाया। पीएम मोदी और मैक्रों की बातचीत जी-7 सम्मेलन के दौरान इमैनुएल मैक्रों और पीएम मोदी एक-साथ बैठकर बातें करते भी नजर आए। राष्ट्रपति मैक्रों ने पीएम मोदी से पूछा, आप कब आए? इसपर पीएम मोदी ने उन्हें जवाब दिया, मैं पिछली रात को पहुंचा था और इससे पहले मैं साइप्रस की यात्रा पर भी गया था। पीएम मोदी ने शेयर की तस्वीर पीएम मोदी ने भी सोशल मीडिया पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ तस्वीर साझा की है। इस दौरान पीएम मोदी ने लिखा, मेरे दोस्त इमैनुएल मैक्रों से मिलना हमेशा खुशनुमा रहा है। हमने कई मुद्दों पर बात की। भारत और फ्रांस दुनिया की बेहतरी के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने मैक्रों पर किया था ट्वीट बता दें कि बीते दिन जी-7 सम्मेलन में पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीच में ही वाशिंगटन डीसी वापस चले गए।

संपादकीय

पारदर्शिता जरूरी

विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा लगातार आरोप लगाया जाता है कि मतदाता द्वारा वोट किसी भी पार्टी को दिया जाता है पर वोट जाता भाजपा को है। इसलिए चुनाव आयोग ने ठोस कदम उठाते हुए इन संदेहों को मिटाने का फैसला किया है। मतदान प्रक्रिया की निगरानी बढ़ाने के लिए अब सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी जो अभी तक पचास फीसद महत्त्वपूर्ण मतदान केंद्रों में ही की जा रही थी। यानी अब हर पोलिंग बूथ पर कैमरों के निगरानी होगी और वोटिंग की हर गतिविधि रिकॉर्ड. होगी। वेबकास्टिंग किसी कार्यक्रम या प्रस्तुति का सीधा प्रसारण है। यह वेबकास्टिंग चुनाव प्राधिकरण के आंतरिक उपयोग के लिए होती है। सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेजे पत्र में चुनाव आयोग ने कहा है कि इंटरनेट संपकर्ता वाले सभी क्षेत्रों में वेबकास्टिंग की जाएगी। जिन जगहों पर इंटरनेट की सुविधा नहीं है, वहां वीड़ियोग्राफी, फोटोग्राफी आदि की उपयुक्त वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। आयोग पर लगातार आरोपों के बाद यह महत्त्वपूर्ण कदम उठाया गया है। हालांकि आरोपों की जांच के दौरान ठोस सबूत नहीं पेश किए जा सके बल्कि ये पूर्ण रूप से फर्जी साबित हुए। परंतु इन विवादों से आयोग की स्वायत्तता व निष्पक्षता पर संदेह की छींटें जरूरत पड़ीं जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक साबित हो सकती हैं। मोदी सरकार बार-बार इन आरोपों को बुनियादी ठहराते हुए कहती है कि इनसे चुनाव हारने की हताशा परिलक्षित करती है। कुछ दिन पहले लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा अंग्रेजी के लेख में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फिक्सिंग के आरोप लगाए गए थे। आयोग ने इसका जबाव भी दिया। मगर राहुल ने इस पर भी तंज किया था। बेशक, 2014 के बाद से विपक्ष भाजपा के मुकाबले निरंतर कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। खासकर सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस कड़ी मशक्कत के बावजूद अपेक्षित नतीजे पाने में बुरी तरह असफल हुई है। अन्य क्षेत्रीय दल भी निष्पक्ष स्वआकलन की बजाय आयोग पर छींटाकशी से बाज नहीं आते। हालांकि चुनाव आयोग भी इस दरम्यान अपने विवादों में रहा है। उसके लक्ष्य ढुलमुलाए हैं और मतदाताओं में भ्रम बढ़े हैं। राजनीतिक दलों को तथ्यहीन आरोपों से बाज तो आना ही होगा परंतु आयोग को भी अपनी साख बरकरार रखने के प्रयास करने होंगे। बिहार चुनाव के दरम्यान आयोग की इस नई व्यवस्था के नतीजे स्पष्ट तौर पर सामने भी आ आएंगे।

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाछ्रा कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ?

पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा- पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा।

बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बेटियाँ आगे बढ़ रही, पर मंच अब भी खाली!

सोनम लववंशी

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं। संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं?

यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है। क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है, क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है। पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है। इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं।

वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिजनेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं। भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय स्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए। यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता, नेतृत्व और सह-अस्तित्व के मूल्यों की शिक्षा दी जाए।

कार्यस्थलों पर भी व्यापक बदलाव जरूरी हैं। मातृत्व अवकाश, लचीली कार्य व्यवस्था, यौन उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्यवाही, और महिलाओं की पदोन्नति के लिए पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण अनिवार्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सिर्फ आरक्षण पर्याप्त नहीं होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि आरक्षण सांकेतिक न रहे, बल्कि उसके माध्यम से वास्तविक और प्रभावी नेतृत्व उभर कर सामने आए। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण, संसाधन और एक सुरक्षित सार्वजनिक वातावरण प्रदान करना होगा। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का नेतृत्व महिलाओं के लिए नहीं, पूरे समाज के विकास के लिए जरूरी है। जिन क्षेत्रों में महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है, वहाँ निर्णय प्रक्रिया अधिक समावेशी, दीर्घकालिक और मानवीय दृष्टिकोण वाली रही है।

महिलाओं की शिक्षा में हो रही प्रगति सराहनीय है, लेकिन यह तब तक अधूरी है जब तक वह नेतृत्व की ऊँचाइयों तक न पहुंचे। जब एक शिक्षित लड़की केवल एक नौकरी ही नहीं, बल्कि एक संस्था, एक आंदोलन, या एक नीति का नेतृत्व करती है, तभी हम कह सकते हैं कि शिक्षा ने अपना उद्देश्य पूरा किया है। समाज को यह स्वीकारना होगा कि नेतृत्व कोई जन्मगत विशेषाधिकार नहीं, अर्जित किया गया दायित्व है और जब तक महिलाओं को इस दायित्व को निभाने का पूरा अवसर नहीं मिलेगा, तब तक हम एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र नहीं बन सकते। अतः यह समय केवल आंकड़ों की तालिका सजाने का नहीं, उन आंकड़ों को जीने और बदलने का है। यह समय है कि हम लड़कियों की शिक्षा से आगे बढ़कर उन्हें नेतृत्व के मंच तक पहुँचाएं। क्योंकि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज भी आगे बढ़ता है।

मोदी सरकार के 11 वर्ष : आधुनिक भारत का स्वर्णिम काल

मुकेश राजपूत

जून 9/2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार अपने ग्यारह वर्ष पूर्ण कर चुकी है। इन पिछले 11 सालों में दुनिया ने भारत की आर्थिक-सामरिक शक्ति को देखा है। लोगों के रहन-सहन में बदलाव आया है। आम नागरिक स्वच्छता के प्रति संवेदनशील हुआ है।

इस साल के आरंभ में प्रयागराज में महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ था। वहां छोटे से छोटा दुकानदार भी यूपीआई से पेमेंट ले रहा था। इनमें से कइयों के खातों में एक लाख से ऊपर बचत भी हो गई है।

मोदी सरकार की जन धन योजना और डिजिटल पेमेंट की क्रांति के कारण यह संभव हो पाया। अगस्त, 2014 में प्रधानमंत्री बनने के चंद महीनों बाद मोदी ने जन धन योजना की शुरूोआत की। योजना के तहत 55 करोड़ से ऊपर खाते खुले जिनमें ग्रामीण और कस्बों में 36.63 करोड़ खाते हैं। इन खातों में 2.30 लाख करोड़ रुोपये की धनराशि जमा है। अच्छी बात यह है कि इसमें 55.6 प्रतिशत यानी 29.37 करोड़ खाते महिलाओं के नाम पर हैं। यह भी सच है कि दिसम्बर 2023 में 20 प्रतिशत खाता निष्क्रिय थे। हालांकि निष्क्रिय खातों में भी 12779 करोड़ रुपये की धनराशि जमा है। डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में जब क्रांति आई तो सबसे बड़ा गेमचेंजर यूपीआई पेमेंट बना है। इस विधि में पैसा सीधे बैंक खाते में जाता है। यदि जन धन योजना में इतनी बडी संख्या में बैंक खाते न खोले गए होते तो शायद यूपीआई पेमेंट सफल नहीं हो पाता। आज छोटे से छोटा पेमेंट भी यूपीआई से संभव है और छोटे कारोबारी भी बचत करने लगे हैं, जिससे उनके रहन-सहन में भी सुधार हुआ है। ऐसा नहीं कि मोदी सरकार ही पहली बार स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजना लेकर आई लेकिन ईमानदारी से किसी ने इस मिशन को पूरा किया तो वो है मोदी सरकार। 2 अक्टूबर, 2014 को मोदी ने गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी। आज 9.63 करोड़ से अधिक शौचालय बना कर ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच से मुक्त किया जा चुका है। यह ऐसा कदम है जिससे महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आया। भारत के सिर से एक कलंक भी मिट गया।

वर्ष 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी ने तो सड़क निर्माण में अभूतपूर्व क्रांति ही ला दी। आज कनेक्टिविटी के मामले में भारत विकसित देशों से पीछे नहीं है। देश में एक्सप्रेस-वे और हाई-वे का जाल बिछ गया है।

2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की विद्युत व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन हुआ। भारत के शत प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण हुआ। उज्जवला योजना, सौभाग्य योजना, फीडर सेपरेशन से आज गांव जगमगा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के पास मजबूत नवीकरणीय ऊर्जा इको सिस्टम बनाने का स्पष्ट दृष्टिकोण था। जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने स्बच्छ ऊर्जा के वैश्विक प्राथमिकता बनने से बहुत पहले बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं का बीड़ा उठाया था। 2014 में प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद उन्होंने उस विजन को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया। प्रधानमंत्री के विजन के तहत पीएम सूर्य घर मुफ्त विजली योजना परिवर्तनकारी पहल है। पीएम कुसुम योजना किसानों को कृषि कार्य हेतु प्रोत्साहित कर रही है। हमें वे दिन भी याद हैं जब दो बोरी सीमेंट खरीदने के लिए तहसीलदार से परमिट लेना पड़ता था। चीनी भी कंट्रोल की दुकान से मिलती थी। एलपीजी और टेलीफोन कनेक्शन या तो किसी सांसद से मांगो अथवा दो-चार महीने इंतजार करो। अपनी किताब 'इंडिया अन्बॉन्ड्स' में गुरुचरणदास ने लिखा है कि किसी कंपनी को ज्यादा मंजन बनाने की आवश्यकता होती थी तो सरकार से स्वीकृति लेनी पडक्षती थी। उद्योगपति भी परेशान थे। इंस्पेक्टर नीति के कारण भ्रष्टाचार का बोलबाला था। तय सीमा से अधिक उत्पादन करने पर उद्योगपतियों की सरकार से स्वीकृति लेनी पड़ती थी।

पहले कोई महामारी फैलती थी तो हम आयातित वैक्सीन पर निर्भर रहते थे। परंतु कोविड-19 जैसी महामारी काल में भारत ने सबसे पहले स्वयं वैक्सीन बनाई और 100 से अधिक देशों को निर्यात भी की।

आज भारत में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। एम्स की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। आयुष्मान योजना से अंतर्गत 40.71 करोड़ स्वास्थ्य बीमा कार्ड जारी किए गए। सभी राज्यों में 11000 से अधिक शहरी स्वास्थ्य और वैलनेस सेंटर खुलवाए गए हैं। नई शिक्षा नीति 2020 शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला रही है। 8 नये आईआईएम, 7 नये आईआईटी 490 नये विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, विश्वस्तरीय काशी विश्वनाथ करिडोर, महाकाल परियोजना और अयोध्या में भव्य प्रभु श्री राम मंदिर अब सपना नहीं, बल्कि हकीकत बन चुका है। नारी शक्ति बंधन अधिनियम से लोक सभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिला है। तीन तलाक जैसे कानून समाप्त किए गए हैं।

(लेखक उप्र के फरुोखार्बाद से सांसद हैं)

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुनः गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टतः दिखाई दे रहे हैं। भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है। अतः यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलर;

नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद का आकार केवल लगभग 46,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। सकल घरेलू उत्पाद को देश की कुल जनसंख्या से बांट कर ही प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या मात्र 17 करोड़ है। इससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का आंकड़ा बांग्लादेश की तुलना में कुछ कम हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत संतुलित विकास हुआ है। भारत में न केवल धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि दर्ज हुई हे बल्कि गरीबी उन्मूलन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है जिससे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय कमी दर्ज हुई है।

बांग्लादेश की तुलना में भारत एक विशाल देश है एवं भारत के कई राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं तमिलनाडु आदि का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बांग्लादेश की तुलना में दुगने से तिगुने आकार का है। इसी प्रकार, भारत के राज्य अभी भी कुछ पिछड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल है, जैसे, बिहार, झारखंड आदि। परंतु किसी भी देश के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत निकालते समय देश के समस्त राज्यों के आंकड़ों को शामिल करना होता है। इस कारण से भी भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत कुछ कम हो जाता है।

हाल ही के समय में एक और कुतर्क दिया जा रहा है कि भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के बीच भी बच्चों की जन्म-मृत्यु की दर अफ्रीकी देशों के समान बनी हुई है। इस प्रकार का झूठा विमर्श गढ़ते समय संभवतः वास्तविक स्थिति की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया है। रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया की एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1,000 शिशुओं के जन्म के बीच शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर केवल 26 है। जबकि अफ्रीकी देशों यथा नाईजीरिया में 67, कांगो में 62 एवं ईथियोपिया में 34 है। इन सभी अफ्रीकी देशों की तुलना में भारत में शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर कम है। अतः भारत अब अफ्रीकी देशों से इस मामले में बहुत आगे निकल आया है। हां, इस संदर्भ में भारत की तुलना यदि विकसित देशों से की जाएगी यथा अमेरिका में 5 एवं जापान में 2, तब जरूर भारत में इस स्थिति को अभी और अधिक सुधारने की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार बहुत तेज गति से किया जा रहा है। जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है। भारत में इस संदर्भ में क्षेत्रीय विषमता भी दिखाई देती है। जैसे, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली जैसे विकसित राज्यों में शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर 10-15 के बीच ही है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं बिहार जैसे राज्यों में यह 40-50 के बीच बनी हुई है। हालांकि धीमे धीमे इन राज्यों में भी तेजी से सुधार दृष्टिगोचर है। देश में संस्थागत प्रसव की दर में सुधार हुआ है, परंतु जननी सुरक्षा, पोषण एवं टीकाकरण के क्षेत्रों में विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में अभी भी प्रयासों को गति दी जा रही है। इसी प्रकार, ग्रामीण इलाकों में अति पिछड़े परिवारों (विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रो में) के बीच गंदे पानी का उपयोग, कुपोषण, प्रसव के पूर्व की देखभाल में कमी के चलते शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर को अभी और कम किया जाना शेष है। भारत में हालांकि स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है, पर कुछ राज्यों पर अभी भी विशेष ध्यान केंद्रित कर एक भारत श्रेष्ठ भारत नीति से स्वास्थ्य सेवाओं को संतुलित किया जा रहा है।

एक तीसरा झूठा विमर्श और खड़ा किया जा रहा है कि जब भारत आर्थिक प्रगति के पथ पर तेज गति से दौड़ रहा है तो फिर 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है? तथ्यात्मक रूप से यह सही है कि भारत में ह्लप्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनाह्व के अंतर्गत भारत में केंद्र सरकार द्वारा देश के 80 करोड़ नागरिकों को 5 किलो मुफ्त राशन प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। दरअसल, भारत में अभी भी गरीबी पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुई है। सरकार का यह परम कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध करवाए। कोरोना महामारी के खंडकाल में देश के नागरिकों पर आई प्राकृतिक आपदा के चलते करोड़ों की संख्या में नागरिकों ने अपने रोजगार खोए थे तथा इस गम्भीर समय में केंद्र सरकार ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए देश के गरीब नागरिकों को उक्त योजना के अंतर्गत खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रारम्भ किया था, जो आज भी जारी है। दरअसल इसी योजना के चलते भारत में आज लाखों परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम श्रेणी परिवार की श्रेणी में शामिल हो गए हैं एवं देश के आर्थिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कोरोना महामारी के खंडकाल में मंहगाई एवं बेरोजगारी के दौर में देश के नागरिकों को आजीविका की गारंटी देना आवश्यक था। जब तक देश के समस्त परिवार आत्मनिर्भर नहीं जो जाते तब तक इसे एक ह्लट्रैंजीशनल सिक्यूरिटी नेटह्व माना जा सकता है। हां, आगे आने वाले 3-5 वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत शामिल नागरिकों की संख्या को कम जरूर किया जाना चाहिए क्योंकि जो परिवार अब गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम श्रेणी परिवार की श्रेणी में शामिल हो गए है, ऐसे परिवारों को उक्त योजना का लाभ अब बंद किया जाना चाहिए।

जिले के सभी ब्लॉकों में कैंप लगाकर दिव्यांगों को सरकारी योजना का लाभ दिलाए : डीएम निधि गुप्ता वत्स

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुये कहा कि माननीय अध्यक्ष, उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति (एचसीजेजेसी) उच्च न्यायालय इलाहाबाद एवं प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ दिव्यांगजन सशक्तीकरण अनुभाग-1 लखनऊ के निदेर्शानुसार दिव्यांग बच्चों के चिन्हाकंन एवं उनके समय पुनर्वासन हेतु प्रत्येक जनपद में विकास खण्ड स्तर पर शिविर का अयोजन कर उनके चिकित्सकीय परीक्षण, दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाये जाने, उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण जैसे ट्राईसाईकिल, वैसाखी, व्हीलचेयर एवं कान की मशीन, एम०आर० किट, स्मार्ट केन, हाथ की कोहनी या कंधा से हांथ कटने पर कृत्रिम हाथ एवं पैर के घुटने या जांग से पैर कटने पर कृत्रिम पैर, पैरों में पोलियो होने पर कैलीपर शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु विद्यालयों में प्रवेश व अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु 16 जून, 2025 से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम को मुख्य रूप से सफल बनाने हेतु मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इस अभियान में जनपद के समस्त विकास खण्ड परिसरों में प्रातः 11.00 बजे अपराह्न 03.00 बजे तक कैम्पो का आयोजन किया जायेगा। कैम्प आयोजन में दिव्यांग बच्चों को विशेष शिक्षकों के माध्यम से उपस्थित कराने एवं उनके पूर्ण आवेदन पत्र कराने से संबंधित कार्यों की व्यवस्था हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अमरोहा, संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी और संबंधित खण्ड विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। विकास खण्ड धनौरा में दिनांक 16 जून 2025 से 18 जून, 2025, विकास खण्ड गजरौला में 19 जून, 2025 तक, विकास खण्ड अमरोहा में दिनांक 23 जून से 25 जून, 2025 तक, विकास खण्ड जोया में दिनांक 26 जून से 28 जून, 2025 तक, विकास खण्ड गंगेश्वरी में दिनांक 30 जून से 02 जुलाई, 2025 तक शिविर का आयोजन किया जायेगा। चिन्हाकंन शिविर में चिकित्सकीय बोर्ड का गठन कर दिव्यांग बच्चों का चिकित्सकीय परीक्षण किया जाएगा तत्पश्चात उनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यू0डी0आई0डी0 कार्ड) निर्गत किये जायेंगे, उनकी आवश्यकता के अनुरूप उन्हें सहायक उपकरण जैसे-ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर कान की मशीन एम०आ०किट, स्मार्ट केन, बैसाखी, हाथ की कोहनी या कंधा से हाथ कटने पर कृत्रिन हाथ एवं पैर के घुटने या जांग से पैर कटने पर कृत्रिम पैर पैरों में पोलियो होने पर कैलीपर हेतु चिकित्सकीय टीम द्वारा चिन्हित दिव्यांगों के ऑन लाइन फॉर्म भरवाते हुए नियमानुसार सहायक उपकरण से लाभान्वित किया जायेगा। शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु विद्यालयों में प्रवेश भी दिलाया जाएगा। दिव्यांगजन द्वारा सहायक उपकरण जैसे- ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर के फॉर्म भरने हेतु उक्त चिन्हाकंन शिविर आयोजन स्थल पर दिव्यांगजन सहायक उपकरण के फॉर्म भरने हेतु निम्नलिखित प्रमाण पत्र मूल रूप में एवं छायाप्रति (फोटोस्टेट) साथ लायें। दिव्यांग

प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साइज के फोटो, आय प्रमाण पत्र (तहसील द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र) जिनकी आय गरीबी की रेखा (वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में रू0 46080/- तथा शहरी क्षेत्रों में रू० 56460/-प्रति परिवार प्रतिवर्ष निर्धारित है। इसके अतिरिक्त आय प्रमाण पत्र ग्राम प्रधान का भी मान्य होगा, निवास करने की अवधि का राजपत्रित/ग्राम प्रधान का प्रमाण पत्र, अनूसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की स्थिति में जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं मोबाईल नम्बर अवश्य होना चाहिये। दिव्यांग प्रमाण पत्र (यू0डी0आई0डी0 कार्ड) बनवाने के लिए चार पासपोर्ट साइज के फोटो, आधार कार्ड एवं मोबाईल नम्बर के साथ संबंधित दिव्यांगजन को साथ में लायें, ताकि चिकित्सकीय टीम द्वारा परीक्षण कर दिव्यांग प्रमाण पत्र (यू0डी0आई0डी0 कार्ड) जारी किया जा सके। शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु दिव्यांग बच्चों को विद्यालयों में नवीन प्रवेश कराने हेतु दिव्यांग प्रमाण पत्र (यू0डी0आई0डी0 कार्ड), निवास करने की अवधि का राजपत्रित/ग्राम प्रधान कर प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और मोबाइल नम्बर आवश्यक है। जनपद स्तर पर गठित समिति के माध्यम से जिला सूचना अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अमरोहा आपस में समन्वय करते हुये कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से करायेंगे। दिव्यांग चिकित्सकीय बोर्ड का गठन मुख्य चिकित्साधिकारी, अमरोहा का यह दायित्व होगा कि दिव्यांग बच्चों के विकित्सकीय परीक्षण हेतु चिकित्सकीय बोर्ड का गठन कर और दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु दिव्यांग चिकित्सकीय बोर्ड को कार्यक्रम स्थल पर तिथिवार अनिवार्य रूप से नामित कर निर्धारित समय पर भेजना सुनिश्वित करायेगे। कार्यकग स्थल की व्यवस्था खण्ड विकास अधिकारी उक्त दिनांक को विकास खण्ड परिसर के सभागार कक्ष में कैम्प आयोजन संबंधी समुचित व्यवस्थाएँ एवं ग्राम प्रधानों को कैम्प आयोजन संबंधी सूचना से अवगत करायेंगे तथा अपने अधीनस्थ ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों/ग्राम विकास अधिकारियों/रोजगार सेवकों के माध्यम से कार्यक्रम आयोजन हेतु ऐसे दिव्यांग बच्चे जिनका अनी तक दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बना है या कृत्रिम अंग/सहायक उपकराम जैसे ट्राईसाइकिल, शीलवेयर, कान की मशीन, एम०आर०किन्ट, स्मार्ट केन आदि नहीं मिला है या अन्य योजनाओं से लाभान्धित नहीं हुए हैं, या जिन्हें चिकित्सीय सुविधाओं की आवश्यकता है, शिविर की तिथि से पूर्व ऐसे बच्चों का चिन्द्राकंन कर अपने फील्ड स्तरीय कार्मिकों के माध्यम से शिथिल स्थल पर भेजना सुनिश्चित करेंगे, ताकि चौम्प का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा सके। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, अमरोहा चिन्हाकंन शिविर के निर्धारित तिथियों को अपने सहयोगी कार्मिकों के माध्यम से दिव्यांगजनों का उनके पात्रता के अनुरूप पंजीकरण कर सहायक उपकरण हेतु ऑन लाइन आवेदन पत्र भस्वाना सुनिश्चित करेंगे। जिला पंचायत राज अधिकारी, अमरोहा चिन्हाकंन शिविर के निर्धारित तिथियों में शिविर स्थल पर समका दिव्यांगजनों को मुलाने हेतु अपने अधीनस्थ कार्मिको सचिवों/पंचायत सहायकों के माध्यम से विन्हाऊन कैम्प का प्रचार-प्रसार कराते हुए दिव्यांग यच्चों की उपस्थित्ति सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से अवगत कराये। जिला कार्यक्रम अधिकारी, अमरोहा चिन्हाकंन शिविर के निर्धारित तिथियों में शिविर स्थल पर मुलाने हेतु अपने सहयोगी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से अपने क्षेत्र में विन्हाकंन कैम्प का प्रचार-प्रसार कराते हुए दिव्यांग बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से अवगत कराये। समस्त अधिशासी अधिकारी नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत, जनपद अमरोहा अपने शहरी क्षेत्र से सम्बन्धित समस्त दिव्यांगजनों को उक्त निर्धारित तिथियों/ स्थल पर मुलाने हेतु प्रचार-प्रसार कराना सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही से अवगत करायें। शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु दिव्यांग बच्चों के विद्यालय में प्रदेश की व्यवस्था जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अमरोहा अपने समसा खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उक्त चिन्हाकंन कैम्प में अध्यापकों की ड्यूटी लगाते हुए कि यह दिव्यांग बच्चों को विद्यालय में प्रवेश हेतु पंजीकरण करना सुनिश्चित करें। ऐसे दिव्यांग बच्चे जो आपके विद्यालय में पूर्व से पंजीकृत है और दिव्यांग प्रमाण पत्र भी मना है और उन्हें किसी भी प्रकार का उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण नहीं मिला है तो उनको भी शिविर में बुलाकर फॉर्म भरवा दें ताकि उन्हें भी चिन्हित कर सहायक उपकरण से लाभान्वित कराया जा सके, कृत कार्यवाही से अवगत करायें। जिला विद्यालय निरीक्षक, अमरोहा अपने प्रधानाचार्य के माध्यम से उक्त चिन्हाकंन कैम्प में अध्यापकों की ड्यूटी लगाते हुए कि यह दिव्यांग बच्चों को विद्यालय में प्रवेश हेतु पंजीकरण करना सुनिश्चित करें। ऐसे दिव्यांग बच्चे जो आपके विद्यालय में पूर्व से पंजीकृत है और दिव्यांग प्रमाण पत्र भी बना है और उन्हें किसी भी प्रकार का उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण नहीं निला है तो उनको भी शिविर में बुलाकर फॉर्म भरवा दें ताकि उन्हें भी चिन्हित कर सहायक उपकरण से लाभान्वित कराया जा सके और कृत कार्यवाही से अवगत करायें।

बूथ कमेटियों को सक्रिय करने के साथ संकल्प से सिद्धि नीति के अनुसार कार्य कर रही केंद्र सरकार

11 साल की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता= कृष्ण कुमार शर्मा।

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना:- विकसित भारत का अमृत काल सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 वर्ष अभियान के तहत ब्रह्माबाद शक्ति केंद्र के ग्राम बेगपुर मुंडा चौराहे पर आयोजित चौपाल कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने सड़क, सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, सिंचाई से लेकर बिजली, शौचालय निर्माण, प्रधान मंत्री आवास योजना आदि अनेकों योजनाओं पर कार्य करते हुए सबका साथ सबका विकास , सबका विश्वास और सबका प्रयास की नीति के साथ आर्थिक, सामाजिक और वैश्विक स्तर पर प्रगति की है। साथ ही गांव, गरीब और किसान के कल्याण के लिए कार्य किया गया है। इस अवसर पर उपस्थित क्षेत्र वासियों ने मध्य गंगा नहर में अति शीघ्र पानी छोड़े जाने की मांग रखी। कृष्ण कुमार शर्मा ने उचित अवसर पर उचित स्थान पर मांग पहुंचाने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर शक्ति केंद्र संयोजक मुनिदेव सैनी, कार्यक्रम संयोजक धर्मवीर सिंह, आशाराम पाल , मुकेश त्यागी, वीर पाल सिंह, शिवनरेश, अजीत सैनी, लोकेंद्र सैनी, मनोज चौधरी, भूरे सिंह, ब्रज पाल सिंह मनीष कुमार जगराम सिंह कुंवर पाल, धर्म सिंह आदि मौजूद रहे।

केवाईसी ना कराने पर किसानों को नहीं मिलेगी किसान सम्मान निधि

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद में जून के महीने में किसान भाइयों की किसान सम्मान निधि आने की संभावना है। इस दौरान उप कृषि निदेशक डॉक्टर रामप्रवेश ने बताया है कि जून माह में किसान भाइयों की किसान सम्मन निधि आने की संभावना है। वही किसान, किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए बैंक में पहुंच कर फार्मर रजिस्ट्री करा ले। उन्होंने कहा कि जब तक किसान केवाईसी नहीं कराते हैं, तब तक किसान सम्मान निधि नहीं मिलेगी। इस दौरान उन्होंने बताया कि किसान भाइयों से किसान सम्मान निधि बनवाने के लिए जन सेवा केंद्र, कृषि विभाग के कर्मचारियों और पंचायत सहायकों से करा सकते है। फार्म रजिस्ट्री को जमीनों से लिंक किया जाता है। जिससे कि आपदा आने पर किसानों को उनकी फसल का मुआवजा मिल जाएगा। इसी के साथ के.सी.सी की सुविधा कम समय में मिल जाएगी।

बुलडोजर कार्रवाई लगातार जारी चौराहे पर बनी वर्षों पुरानी दस दुकाने ध्वस्त

बहजोई/संभल (सब का सपना):- बुल्डोजर कार्रवाई लगातार जारी है मैंन चौराहे पर बनी वर्षों पुरानी लगभग दस दुकानें ध्वस्त की गई हैं। जनपद सम्भल के कस्बा बहजोई में लगातार बुल्डोजर गरजता हुआ नजर आ रहा है कई दिन से ये कार्रवाई की जा रही है पुलिस प्रशासन और आर आर एफ के जवानो की मौजूदगी में ये कार्रवाई की जा रही है उप जिलाधिकारी विनय मिश्रा द्वारा ये जानकारी दी गई मुख्यमंत्री और शासन के निर्देश हैं कि जहां भी सरकारी जमीन हैं वहां से अतिक्रमण

को साफ किया जाए और सामाजिक उपयोग में लिया जाए ये जो इस्लामनगर चौराहा है ये बहुत ही महत्वपूर्ण चौराहा है यहां लगातार ट्रैफिक की स्थिति बनी रहती है अब यहां जो नंबर निकल कर आ रहा है वह सड़क का नंबर है यहां लोगों को कई साल पहले भी विभिन्न अधिकारियों की स्तर से नोटिस दिए गए थे लेकिन किसी न किसी प्रकार से इसको लगातार लोग रोकते रहे। आज हमने यहां बुल्डोजर की कारवाई की है इस जगह पर लगभग 10 दुकानें बनी हुई है जिनको तोड़कर पूरे चौक को खाली कराया गया है एक बहुत अच्छा सा डाइवर्जन देते हुए नगर पालिका के मध्यम से साहिबे रोड बनवा देंगे इस तरह से ये एक अच्छा चौराहा हो जाएगा।

किसान दिवस में किसानों की समस्याओं का किया गया समाधान

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्टेट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने एक-एक करके बिजली, पानी, सड़क, नलकूप, गन्ना भुगतान सहित अन्य संबंधित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष रखा। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने लीड बैंक मैनेजर को निर्देश दिए की बैंक से संबंधित किसान भाइयों की जो भी समस्या है उनका निराकरण उचित प्रकार करें। उन्होनें कहा कहा कि जो भी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं उनकी

जानकारी किसानों को मिले और उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। उन्होनें प्रतिनिधि जिला गन्ना अधिकारी को निर्देश दिये कि सभी किसान भाईयों का गन्ना भुगतान जो रहे गया है उसे समय के साथ भुगतान पूरा कर दिया जाये। किसान भाईयो ने विद्युत सम्बन्धित समस्याओं में ट्रान्स्फार्मर खराब होने, बिजली के मार टूट जाने और गले हुये खम्भों के बरों में मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष रखा। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन की मंशा है कि किसानों के समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ मिलें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि किसान दिवस में जो आज शिकायत आयी है, उनको पारदर्शिता पूर्वक निस्तारण करें, और जिलाधिकारी ने कहा कि समय रहते कार्य को पूर्ण करें और किसानो को अनावश्यक परेशान न होने पड़े। किसान दिवस उप निदेशक कृषि रामप्रवेश, अधिशासी अभियन्ता पी0 डब्ल्यू0डी0 एवं विद्युत, जलनिगम के अधिकारीगण सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं किसान बन्धु उपस्थित रहे।

मोहब्बत के वादे भुला क्यों रहे हो, कहीं दोस्त बनकर दगा तो न दोगे

फैजान अजमेरी कव्वाल ने दी प्रस्तुति

उझारी (सब का सपना):- हजरत शेख दाऊद बंदगी रहमतुल्लाह अलेह के उर्स में जायरीनों का तांता लगा हुआ है । लोग तबर्रुक एवं चादरपोशी करके मन्नते मांग रहे हैं। बीती रात देश के प्रसिद्ध कव्वाल फैजान अजमेरी ने हजरत शेख दाऊद बंदगी रहमतुल्लाह अलैह के उर्स में अपनी प्रस्तुति दी। फैजान अजमेरी कव्वाल को सुनने के लिए युवाओं की भारी भीड़ मौजूद रही। फैजान अजमेरी के कलाम पर लोग झूमते हुए नजर आए। उन्होंने पढ़ा- मोहब्बत के वादे भुला क्यों रहे हो, कहीं दोस्त बनकर दगा तो न दोगे।

दरगाह पर दूर दराज से अकीदतमंद आ रहे हैं और अपने मन की मुरादे मांग रहे हैं। बताया जाता है कि दरगाह पर सच्चे मन से मांगी गई मुराद अवश्य ही पूरी हो जाती है। उर्स के अवसर पर लगे मेले में बच्चे खेल तमाशों का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। जबकि महिलाएं मीना बाजार से अपनी जरूरत की वस्तुएं खरीद रही हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से इस अवसर पर मुख्य रूप से सदर हकीम चमन, फहीमुददीन महल, इफ्तिखार उल हसन, मास्टर असद, मो० आदिल, मौ० आमिर, शाकिर मसऊदी, आफाक पठान, शहाबुद्दीन सैफी, हाजी बब्बन, अलाउद्दीन सैफी, डॉ० शहरोज मुख्तार, वहाबुद्दीन, कुंवर अदनान महल, कोकब इकतेदार, राशिद अली, अबसार अहमद, फहीम वारिस, शम्स तबरेज ,चौधरी अब्दुल कादिर, शबाहत हुसैन, आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बहजोई में चल रहे अतिक्रमण अभियान का डीएम और एसपी ने लिया जायजा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी जनपद सम्भल डॉ0 राजेन्द्र पैंसिया व पुलिस अधीक्षक जनद सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा कस्बा बहजोई में चल रहे अतिक्रमण अभियान का जायजा लिया गया तथा संबंधित को अभियान के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए जिलाधिकारी डॉ० राजेंद्र पेंसिया ने बताया चौराहे का चौड़ीकरण होगा और सड़क सुरक्षा के अंतर्गत आय दिन होने वाली दुर्घनाओं से भी बचा जा सकेगा इस दौरान अपर जिलाधिकारी सम्भल, उपजिलाधिकारी चन्दौसी, क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक सिद्धू आदि अधिकारीगण मौजूद रहें।

पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज द्वारा अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण हेतु रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटरों का किया गया निरीक्षण...

बहजोई/संभल (सब का सपना) पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद मुनिराज द्वारा पुलिस लाइन बहजोई में गार्द की सलामी लेकर पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के साथ आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती-2023 में चयनित अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण हेतु रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस लाइन बहजोई में चल रहे 142 महिला रिक्रूट आरक्षियों के जेटीसी प्रशिक्षण सेन्टर एवं ईश्वर दास टैक्निकल इन्स्टीट्यूट बहजोई में 568 पुरूष रिक्रुट आरक्षियों के जेटीसी प्रशिक्षण सेन्टर का निरीक्षण किया गया एवं रिक्रूट आरक्षियों के व्यवस्थापन तथा ट्रेनिंग की व्यवस्थाओं जैसे मैस, बैरक, स्नानघर, कक्षाओं आदि का जायजा लेते हुए शारीरिक प्रशिक्षण एवं

तकनीकी प्रशिक्षण पद्धतियों पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया एवं व्यवस्थाओं को मानक अनरूप पूर्ण करने के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। इसके साथ ही प्रशिक्षण की गुणवत्ता और कौशल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए सम्बन्धित को निर्देश दिये गये। दोनों ट्रेनिंग सेन्टरों पर रिक्रूट आरक्षियों के लिए शारीरिक प्रशिक्षण के साथ कानून और पुलिस की बुनियादी प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। उनको पुलिस के कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक लाइन आलोक कुमार, क्षेत्राधिकारी यातायात डा0 प्रदीप कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन अशोक कुमार, प्रभारी आरटीसी आदि पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे थे।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने कलेक्ट्रेट में किया योगाभ्यास

अमरोहा (सब का सपना):- जिले कलेक्ट्रेट परिसर में एक विशाल योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की उपस्थिति में जिले के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग सत्र का उद्देश्य "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" की थीम के तहत लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता को भी बढ़ाता है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से नियमित रूप से योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने की अपील की। इस दौरान योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन किया गया। प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन और भुजंगासन जैसे आसनों का अभ्यास किया गया। योग सत्र में शामिल होने वाले कर्मचारियों ने इसे एक स्फूर्तिदायक अनुभव बताया। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने भी योग के लाभों पर प्रकाश डाला और कहा कि यह तनाव प्रबंधन और कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक है। इस आयोजन में जिला प्रशासन के सभी वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय लोग शामिल हुए। योग सत्र के दौरान स्वच्छता और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि योग भारत की प्राचीन धरोहर है, जो विश्व भर में अपनी पहचान बना चुकी है। उन्होंने सभी से योग को नियमित रूप से अपनाने और इसे अपने परिवार और समुदाय में प्रचारित करने का आह्वान किया।

योग सप्ताह में साइकिल मैराथन का भव्य आयोजन: सीडीओ ने दिखाई हरी झंडी, युवाओं में उत्साह

बहजोई/संभल (सब का सपना):-: 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के स्वागत में आयोजित योग सप्ताह की श्रृंखला में आज जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग जनपद सम्भल के तत्वावधान में एक भव्य साइकिल मैराथन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बहजोई एथलेटिक्स क्लब, बीएमबीएल जैन सेवा न्यास एवं दयानंद शाखा ने सक्रिय सहभागिता निभाई। मैराथन का शुभारंभ जनपद सम्भल के मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, बीएमबीएल जैन कॉलेज के निदेशक सम्भव जैन,आयुष विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. अभय शर्मा एवं जिला खेल अधिकारी प्रमिला भारती द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी श्री गोरखनाथ भट्ट ने कहा, कि ह्लयोग और साइक्लिंग दोनों ही शरीर को स्वस्थ रखने के बेहतरीन साधन हैं। जहां योग हमें मानसिक शांति प्रदान करता है, वहीं साइक्लिंग

शरीर की सक्रियता और ऊर्जा को बनाए रखने का माध्यम है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में इन दोनों का समावेश न केवल जीवनशैली सुधारता है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी सहायक होता है। जनपद सम्भल में इस तरह की गतिविधियां युवाओं में स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति जागरूकता पैदा कर रही हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम का संचालन संभव जैन द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया। इस अवसर पर एसबीएम जूडो एकेडमी के कोच एकांश गुप्ता के निर्देशन में बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए योग प्रदर्शन ने उपस्थितजनों का मन मोह लिया। उनकी लयबद्ध और अनुशासित प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर बच्चों द्वारा योग के महत्व लिखे हुए स्लोगन पत्रिकाएं भी प्रस्तुत की गयीं, साइकिल मैराथन बहजोई बस स्टैंड से प्रारंभ होकर, नवीन मंडी स्थल होते हुए, मिनी स्टेडियम से जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट तक संपन्न हुई। इस आयोजन ने योग, पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति जनचेतना को और अधिक बल प्रदान किया है। इस आयोजन में जनपद के कई प्रमुख गणमान्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से डॉ अनुज शर्मा, डॉ योगेश गौर, चैतन्य कुमार सिंह, सुरेश कुमार, राजीव वार्ष्णेय, अनुज जैन, अवनेश सर्राफ, राजू यादव, गोविंद, अनुराग, मयंक कुमार, डॉ. दिलीप वार्ष्णेय, दुष्यंत वार्ष्णेय, रूपक वार्ष्णेय, मेहुल वार्ष्णेय, हेमेंद्र वार्ष्णेय, निमेष आर्य, सत्यवीर सिंह उजाला, जितेंद्र होरा, दानवीर आदि उपस्थित रहे।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. प्रवेश कुमार यादव ने संभाला चार्ज

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर प्रवेश कुमार यादव ने चार्ज ग्रहण कर लिया है। इस दौरान माध्यमिक कॉलेजों के शिक्षकों ने उनका बुके भेंट कर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर प्रवेश कुमार यादव ने बताया है कि उन्होंने जिला बदायूं में तीन वर्ष तक कार्यभार संभाला। वहीं शासन के निर्देश पर उनका तबादला जिला बदायूं से जिला अमरोहा के लिए हुआ। इस दौरान चार्ज लेते ही जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ रामप्रवेश कुमार यादव ने अपनी प्राथमिकता गिनाते हुए कहा है कि

सरकार की प्राथमिकता ही हमारी प्राथमिकता है। हमारे लक्ष्य है कि राजकीय इंटर कॉलेजों में सरकार की योजनाओं के अनुरूप कार्य किया जाएगा। साथ ही विद्यालय में ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राओं का नामांकन कराया जाए और इसी के साथ सभी कॉलेजों में पठन-पाठन की स्थिति को बेहतर करने के प्रयास किए जाएंगे।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क समेत 23 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, एक हजार पन्नों की है रिपोर्ट

संभल: जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में आरोपी बनाए गए सांसद जियाउर्रहमान बर्क समेत 23 आरोपियों के खिलाफ एसआईटी ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी है। सांसद व विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल को मुकदमा अपराध संख्या 335/24 में नामजद आरोपी बनाया गया था। अन्य अज्ञात आरोपी शामिल थे। इसी मुकदमें में जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट की भूमिका प्रकाश में आने के बाद उनकी भी गिरफ्तारी कर ली थी। अब एसआईटी ने तथ्यों के आधार पर सांसद समेत 23 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि एसआईटी ने तथ्यों के आधार पर विवेचना पूरी कर ली है। बुधवार को न्यायालय में विवेचक द्वारा चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। मालूम हो 24 नवंबर 2024 को हुए बवाल के बाद संभल कोतवाली और नखासा थाने में 12 मुकदमे दर्ज किए गए थे। इसमें चार हत्या के मामले शामिल

थे। एसआईटी को इन मुकदमों की जांच सौंपी गई थी। 10 मुकदमों की चार्जशीट तो एसआईटी द्वारा न्यायालय में दाखिल कर दी गई थी। सांसद और विधायक के बेटे जिस मुकदमे में नामजद आरोपी बनाए गए थे। उसी को इस पूरे बवाल को मुख्य मुकदमा पुलिस द्वारा भी माना जा रहा था। सांसद पर भड़काऊ भाषण देने और विधायक के बेटे पर उकसाने का आरोप जामा मस्जिद के नजदीक हुए बवाल में मुकदमा अपराध संख्या 335/24 में दर्ज एफआईआर के अनुसार सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर बवाल से पहले भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगा था। जबकि बवाल के दिन विधायक के बेटे सुहेल इकबाल पर भीड़ को उकसाने का आरोप है। बाद में सांसद पर आरोप लगा कि बवाल से पहले ही उन्होंने सर्वे को रोकने और भीड़ एकत्र करने के लिए कहा था। इसी तरह के अन्य कई आरोप सांसद पर लगे हैं।

कैलसा बाईपास चौराहा पर हो रहे अतिक्रमण पर चला पालिका का बुलडोजर

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के कैलसा बाईपास चौराहा पर हो रहे स्थायी / अस्थाई अतिक्रमण को हटवा कर पालिका द्वारा निर्धारित किये गए निकटतम वेंडिंग जोन मे ठेलो, फड आदि को व्यवस्थित किया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया कि नगरो मे बढ़ती भीड़भाड़, ट्रेफिक से सामान्य आवागमन मे आने वाली समस्याओ को दूर किये जाने, नगरो मे मुख्यता प्रमुख मार्गो एवं बाजारो मे अव्यवस्थित रूप से लगे ठेलो, फड, स्टाल आदि से यातायात मे हो रही बाधा से आम. जनमानस को हो रही समस्याओ के निदान हेतु सरकार द्वारा टाउन वेंडिंग कमेटी का गठन कर नगर के स्ट्रीट वेंडर्स की समस्याओ के समाधान एवं. उनका सहयोग एवं सुझाव प्राप्त कर कमेटी मे सम्मिलित व्यापारी, स्ट्रीट वेंडर, सामाजिक कार्यकताओं, अधिवक्ता गण आदि की सहमति से नगर मे वेंडिंग जोन व नो -वेंडिंग जोन निर्धारित कर ठेले, फड, स्टाल आदि वालो को उक्तानुसार व्यवस्थित किया जाना हैं, जिसकी सूचना विभिन्न प्रचार माध्यमो के द्वारा नगर मे दे दी गयी हैं, नव गठित वेंडिंग जोन मे नगर के समस्त स्ट्रीट वेंडर्स को आगामी दिनांक 01 जुलाई 2025 से शिफ्ट किया जाना हैं। जिसके क्रम मे नगर के अति व्यस्त कैलसा बाईपास चौराहा एवं इसके आस पास दुकानदारों, फल सब्जी ठेले, स्टाल वालो, आदि द्वारा स्थायी एवं अस्थाई अतिक्रमण बड़े स्तर पर किया गया था, आज अधिशासी अधिकारी द्वारा अधीनस्थ स्टॉफ व पुलिस बल के साथ दुकानदारो द्वारा किये गए अवैध स्थायी एवं अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा बताया गया की जिलाधिकारी महोदय के आदेशानुसार समस्त नगर मे अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जायेगा। नगर के समस्त स्ट्रीट वेंडर्स से अनुरोध हैं की वह अति व्यस्त मार्ग, बाजारो, संकरे मार्गो पर अपने ठेले, फड, सामान, स्टाल आदि न लगाकर पालिका द्वारा नगर के दस स्थानों पर निर्धारित किये गए वेंडिंग जोन मे ही अपने फड, ठेले, स्टाल आदि लगाएं एवं सरकार व प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, आपके सहयोग से नगर को स्वच्छ व सुव्यवस्थित किया जा सकेगा।

पीलीभीत में प्रशासन ने सपा कार्यालय कराया खाली, तीन घंटे हिरासत में रहे सपाई; जानें पूरा घटनाक्रम

पीलीभीत: पीलीभीत में करीब एक माह से चल रही जद्दोजहद के बाद बुधवार को आखिरकार नगरपालिका ने अपना ताला डालकर ईओ आवास में संचालित सपा कार्यालय पर कब्जा ले लिया। कार्यालय की बाहरी दीवारों की पोताई कराकर ईओ आवास लिख दिया गया। कब्जे की कार्रवाई के दौरान सपाइयों और पुलिस में धक्का-मुक्की भी हुई। सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा समेत करीब 27 पदाधिकारियों को हिरासत लिया गया। करीब तीन घंटे तक पुलिस लाइन में रखने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। शहर के नकटादाना चौराहा पर स्थित पीलीभीत नगर पालिका के ईओ आवास में वर्ष 2005 से सपा कार्यालय का संचालन किया जा रहा था। इसकी मियाद वर्ष 2020 में पूरी हो गई थी, लेकिन कार्यालय का संचालन चलता रहा। एक माह पूर्व नगर पालिका की ओर से कार्यालय को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की थी। इसके लिए प्रशासन के साथ सपा पदाधिकारियों

को पत्राचार किया गया था। प्रशासन ने दिया था छह दिन का समय नोटिस चस्पा कर 10 जून को कार्यालय पर कब्जा लेने की बात कही गई। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, ईओ संजीव कुमार समेत अफसर और पुलिस बल की मौजूदगी में भवन पर कब्जा लेने के प्रयास किए गए। तीन घंटे तक चली जद्दोजहद के बाद सपा पदाधिकारियों के कहने पर छह दिन का समय दिया गया था। मंगलवार को चस्पा किया अंतिम नोटिस निर्धारित समयावधि बीत जाने पर मंगलवार को ईओ नगर पालिका की ओर से सपा कार्यालय के बाहर अंतिम नोटिस चस्पा किया गया। बुधवार सुबह सपाइयों के विरोध के मद्देनजर करीब चार थानों की फोर्स के अलावा पीएसी बल मौके पर पहुंचा। करीब 10 बजे सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर के आने के बाद ईओ नगर पालिका संजीव कुमार की ओर से भवन पर कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू की गई। सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा समेत पदाधिकारियों ने हंगामा और नारेबाजी की। कोर्ट का हवाला दिया। पुलिस और सपाइयों में धक्का-मुक्की भी हुई। जिलाध्यक्ष के अलावा नरेंद्र मिश्र कट्टर, यूसुफ कादरी, राजकुमार राजू, नफीस अंसारी समेत 27 पदाधिकारियों को हिरासत में लेकर वाहन से पुलिस लाइन भेजा गया। कब्जे की प्रक्रिया पूरी की गई। करीब तीन घंटे बाद सभी को छोड़ दिया गया। कब्जे लेने पहुंची टीम को कार्यालय गेट पर ताला लगा मिला। टीम ने ताला तोड़ने के बजाय दरवाजे पर अपना ताला डाल दिया। दीवार पर लगे लिखे सपा कार्यालय को पोतवाकर ईओ आवास लिखवा दिया गया। बाहरी दीवारों की पोताई भी कराई गई है। कार्यालय के बाहर लगी सपा की होडिंगों को हटा दिया गया। नगर पालिका की टीम की ओर से गेट पर पड़े ताले को न तोड़ा जाना चर्चा का विषय बना है। कब्जा का विरोध करने पहुंचे सपा पदाधिकारियों और पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान पदाधिकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करनी शुरू कर दी।

करोड़ों रुपये की ठगी के आरोपी अमर ज्योति कंपनी के निदेशकों की गिरफ्तारी पर रोक, मैनेजर भी गया हाईकोर्ट

बरेली: अमर ज्योति यूनिवर्स लिमिटेड कंपनी के निदेशकों की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जबकि मैनेजर अमित की ओर से एफआईआर निरस्त करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। कंपनी के निदेशक बदायूं जिले के हजारों लोगों के करोड़ों रुपये हड़पकर भागे हुए हैं। इससे निवेशकों में आक्रोश है। बुधवार को एसएसपी से अधिवक्ता मिले और 67 अन्य पीड़ितों की सूची सौंपी। अमर ज्योति यूनिवर्स लिमिटेड के निदेशक बरेली के कटरा चांद खां निवासी पूर्व भाजपा नेता सूर्यकांत और शशिकांत मौर्य, मैनेजर अमित व अन्य के खिलाफ शहर के असद ने मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस गिरफ्तारी के लिए दबिश देती रही, लेकिन वह हाथ नहीं लगे। पुलिस की लचर कार्रवाई की वजह से आरोपी हाईकोर्ट पहुंच गए। वहां उन्होंने शपथ पत्र दाखिल करने के लिए फोटो खिंचवाई। इसके बाद अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट

में दाखिल हुए। मंगलवार को हाईकोर्ट के कमरा नंबर 64 में सुनवाई हुई। पीड़ित असद के अधिवक्ता अजमल फारुखी पेश हुए, उन्होंने दस्तावेजों का अभाव बताते हुए कोर्ट से समय मांगा। इसके बाद आरोपियों के अधिवक्ता ने गिरफ्तारी पर रोक की मांग की तो तीसरी एफआईआर करने वाले बदायूं के अधिवक्ता अरविंद पाल सिंह परमार के अधिवक्ता मावेंद्र सिंह चौहान ने गिरफ्तारी का विरोध किया। अखबारों में छपी खबरों को दिखाया, साथ ही ठगी का मामला हजारों लोगों से जुड़ा होना बताया। हाईकोर्ट ने जुलाई तक आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। अगली तारीख दो जुलाई को दी है। हालांकि तीन अन्य मामलों में अभी भी गिरफ्तारी हो सकती है। इसके अलावा मैनेजर अमित ने भी बुधवार को हाईकोर्ट में अधिवक्ता शहनवाज अख्तर के माध्यम से याचिका दाखिल कर एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। आरोपियों पर कार्रवाई न होने से आक्रोशित अधिवक्ता सदर विधायक के साथ बुधवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचे। जिला बार एसोसिएशन के महासचिव अरविंद सिंह परमार ने एसएसपी को पत्र देते हुए कहा कि 67 और लोगों को कंपनी ने ठगा है। उन्होंने बताया कि उनकी ओर से दर्ज कराए मुकदमे में इन सभी को विवेचना में शामिल किया जाए। कंपनी के निदेशक, एजेंट और मैनेजर पर दर्ज हुई एफआईआर में जिलास्तर पर किसी अधिवक्ता ने कोर्ट में पैरवी नहीं की। जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इसको लेकर कुछ दिन पहले आह्वान किया था। अब इसका असर दिख रहा है। निदेशकों की गिरफ्तारी पर रोक के बाद बुधवार को अधिवक्ताओं ने एसपी सिटी विजयेंद्र से मुलाकात कर सरकारी अधिवक्ता से पैरवी कराने की मांग की। इस पर एसपी सिटी ने पत्र भेजने की बात कही है। एसपी सिटी विजेंद्र दुबे ने बताया कि हाईकोर्ट से निदेशकों की गिरफ्तारी पर रोक होने की जानकारी मेरे पास नहीं आई है। सदर विधायक व अधिवक्ता आए थे।

दाऊदिया दंगल में आसिफ पहलवान ने लहराई विजय पताका

51,000/- के पुरस्कार पर हुआ आसिफ व गौरव में रोचक मुकाबला

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में चल रहे हजरत शेख दाऊद बंदगी रहमतुल्ला अलेह के उर्स में विशाल दाऊदिया दंगल के अंतिम दिन आसिफ पहलवान जलालाबाद ने विजय पताका लहरा कर 51000 का नकद पुरस्कार हासिल किया। दर्शकों ने तालिया की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। दंगल के अंतिम दिन दर्शकों की भारी मौजूद रही और देश-विदेश के नामी गिरामी पहलवानों का रोचक मुकाबला देखने को मिला। मुख्य रूप से टाइगर पहलवान ने मौसम अली पहलवान को, रीहान पहलवान हरियाना ने वीर बहादुर पहलवान को, फैज पहलवान संभल ने राहुल पहलवान को, अयान पहलवान सिकरोटा ने बॉबी पहलवान ढवारसी को, लकी थापा पहलवान नेपाल ने

शमशेर सिंह पहलवान राजस्थान को, जग्गा पहलवान राजस्थान ने लकी थापा पहलवान नेपाल को पराजित कर अपनी जीत का ऐलान किया। दंगल की सबसे बड़ी कुश्ती आसिफ पहलवान जलालाबाद एवं गौरव पहलवान दिल्ली के बीच हुई। जिस पर 51,000/- का पुरस्कार रखा हुआ था। दोनों पहलवानों के रोचक मुकाबले में आसिफ पहलवान जलालाबाद ने गौरव पहलवान दिल्ली को चित कर अपने विजय पताका लहराई। इस अवसर पर मुख्य रूप से हकीम चमन, डॉक्टर शहरोज, कुंवर अदनान महल, मौ० कासिम, शादाब मंसूर, हाजी कल्लन, अलाउददीन सैफी, आफाक पठान, कोकब इक्तेदार, मौ० वसीम, डॉ० जफर कमाली आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में गोवंश की सुरक्षा और गौशालाओं में पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने जिले की सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। इस पहल का उद्देश्य गौशालाओं में गोवंश की देखभाल, चारा-पानी की उपलब्धता और अन्य व्यवस्थाओं पर नजर रखना है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके। यह निर्णय गोवंश संरक्षण और गौशालाओं के प्रबंधन में सुधार के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों के अनुरूप है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने एक समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी गौशालाओं में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इन कैमरों को जिला मुख्यालय पर स्थित एक कंट्रोल रूम से जोड़ा

जाएगा, जिससे गोवंश की स्थिति और गौशालाओं की गतिविधियों की लाइव मॉनिटरिंग की जा सके। इस प्रणाली से न केवल गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि गौशालाओं में कार्यरत कर्मचारियों की जवाबदेही भी बढ़ेगी। अमरोहा जिले में वर्तमान में कई गौशालाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें हजारों गोवंश रखे गए हैं। समय-समय पर गौशालाओं में चारा, पानी और अन्य सुविधाओं की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सीसीटीवी कैमरे एक प्रभावी उपाय साबित हो सकते हैं। कैमरों की मदद से गौशालाओं में होने वाली हर गतिविधि की रिकॉर्डिंग होगी, जिससे प्रशासन को यह सुनिश्चित करने में आसानी होगी कि गोवंश को उचित देखभाल मिल रही है। प्रत्येक गौशाला में कम से कम चार से पांच कैमरे लगाए जाएंगे जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की यह पहल अमरोहा जिले में गोवंश संरक्षण के क्षेत्र में एक मिसाल बन सकती है। इस योजना के तहत 07 गौ शालाओं मे कैमरे लगा दिए गए हैं तथा अगले कुछ दिनों में सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे स्थापित हो जाएंगे। यह कदम जिले में सुशासन और गोवंश कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा।

करोल बाग में में चलेगा बुलडोजर, शरणार्थी परिवारों को जमीन खाली करने का आदेश

नई दिल्ली के करोल बाग में तिब्बिया कॉलेज की जमीन खाली कराने के आदेश से 218 शरणार्थी परिवार संकट में हैं। इन परिवारों को विभाजन के बाद बसाया गया था। निवासियों का कहना है कि वे हटने को तैयार हैं पर सरकार पुनर्वास करे। वे वैकल्पिक व्यवस्था की मांग कर रहे हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग स्थित आयुर्वेदिक और यूनानी तिब्बिया कालेज एवं अस्पताल परिसर में बीते चार दशकों से रह रहे 218 शरणार्थी परिवार इन दिनों भारी असमंजस और तनाव में हैं। दिल्ली सरकार द्वारा कॉलेज की जमीन खाली कराने का आदेश जारी होने के बाद इन परिवारों का भविष्य अधर में लटक गया है। सरकार के आदेश के खिलाफ तिब्बिया कॉलेज वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नाराजगी जताई है। यहां के स्थानीय निवासियों का कहना है कि वह जमीन खाली करने को तैयार हैं, लेकिन सरकार ने उनके पुनर्वास की कोई व्यवस्था नहीं की है। तिब्बिया कालेज वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के पदाधिकारियों ने बताया कि वह 1947 में देश के विभाजन के समय पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थी परिवारों में से एक हैं। जिन्हें तत्कालीन राजनेताओं ने कॉलेज परिसर में बने अस्थायी शिविर में बसाया था। जिसके बाद कॉलेज परिसर में स्टाफ के लिए बनाए गए आवासीय कमरों को तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के निर्देश पर शरणार्थियों को रहने के लिए दिया गया था। तब से लेकर आज तक इस जमीन पर लोग पिछले चार पीढ़ियों से रह रहे है। जब इस जमीन पर लोग आकर रहे थे तो कालेज प्रशासन को 15 रुपये किराए के रूप में देते थे। दूसरी तरफ सरकार ने जहां से भी घरों को तोड़ा है उन्हें कहीं न कहीं जमीन या फ्लैट देकर बसाया है। इसके बाद भी सरकार यहां रह रहे परिवारों के साथ भेदभाव कर रही है। उन्हें रहने के लिए जमीन दी जानी चाहिए। यहां सालों से रह रहे निवासियों से सरकार को बात करनी चाहिए। मेरे दादा-दादी विभाजन के समय यहां आए थे। तब से आज तक हम यहीं रह रहे हैं। हमारे नाम से हर साल टैक्स भी भरा गया। लेकिन, वह रसीदें भी हमारे दादा- दादी के नाम से है। हमारे नाम से जगह न होने के कारण अब अचानक कहा जा रहा है कि खाली करो। ये कहां का इंसाफ है। परमजीत सिंह, कोषाध्यक्ष। हमारे बच्चे यहीं स्कूल जाते हैं। सारा कामधंधा भी यहीं है। लोगों की मांग है कि वह जमीन खाली करने को तैयार हैं, लेकिन सरकार पहले वैकल्पिक व्यवस्था करे। जैसे सरकार ने कालेज के कर्मचारियों को यहां से दूसरी जगह घर और जमीन देकर बसाया है। वैसे ही हमें भी बसाए। भारती, स्थानीय निवासी। अगर हम किसी निजी जमीन पर अवैध रूप से रहते, तो समझ आता। लेकिन, यहां हमें सरकार ने ही बसाया था। अब सरकार ही हमें उजाड़ रही है, वो भी बिना किसी योजना के। शरणार्थी परिवारों का स्पष्ट कहना है कि वे अतिक्रमणकारी नहीं हैं। उन्हें ऐतिहासिक परिस्थितियों में यह जमीन दी गई थी। अब जब उनसे जगह खाली कराई जा रही है, तो सरकार को उनके पुनर्वास की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

डुप्लीकेट चाबी बनाकर चुराई थी जानकार की कार, ऐसे पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी पूर्वी जिला अंतर्गत जैतपुर थाना पुलिस ने एक कार चोर और उससे चोरी की गाड़ी खरीदने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित, शिकायतकर्ता को पहले से जानता था। ऐसे में उसने मौका मिलने पर उसकी कार की डुप्लीकेट चाबी बनवा ली और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपित से चोरी की ग्रैंड विटारा कार व 1.20 लाख रुपये बरामद किए हैं, जोकि उसने कार बेच कर हासिल किए थे। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ऐश्वर्या शर्मा ने बताया कि हरि नगर एक्सटेंशन पार्ट-दो निवासी राहुल ने 13 जून को जैतपुर थाने में अपनी ग्रैंड विटारा कार चोरी की शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर कार में लगा जीपीएस डिवाइज सड़क पर फेंका हुआ मिला। इस पर पुलिस टीम ने शिकायतकर्ता से उनके जानकारों या ऐसे व्यक्तियों के बारे में पूछा जिन्हें उनकी कार के बारे में जानकारी हो। इस पर राहुल ने बताया कि उनका एक जानकार सोहेल अंसारी उनके साथ फरीदाबाद में एक कार की चाबी बनाने वाले के पास गया था। पुलिस ने सोहेल की तलाश शुरू की और तकनीक की मदद से उसे सूरजकुंड रोड, फरीदाबाद से गिरफ्तार किया। 1.20 लाख रुपये में बेची थी कार पूछताछ के दौरान सोहेल ने बताया कि उसने चुराई हुई कार पुल प्रहलादपुर निवासी गौरव बख्शी को 1.20 लाख रुपये में बेच दी है। पुलिस ने उसके पास से वह रकम बरामद कर ली। सोहेल की निशानदेही पर गौरव बख्शी से चोरी की ग्रैंड विटारा बरामद कर उसे भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। पूछताछ के दौरान सोहेल ने बताया कि उसने चुराई हुई कार पुल प्रहलादपुर निवासी गौरव बख्शी को 1.20 लाख रुपये में बेच दी है। पुलिस ने उसके पास से वह रकम बरामद कर ली। सोहेल की निशानदेही पर गौरव बख्शी से चोरी की ग्रैंड विटारा बरामद कर उसे भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है।

बाल सुधार गृह में किशोर की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या, नहाने को लेकर हुआ था झगड़ा

नई दिल्ली: दिल्ली में मजनूं का टीला स्थित बाल सुधार गृह में एक किशोर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मंगलवार को दिल्ली पुलिस को हिंदू राव अस्पताल से मृतक की सूचना प्राप्त हुई थी। मृतक तिगरी क्षेत्र का रहने वाला था और उसे अस्पताल में मृत लाया गया था। चिकित्सकों ने सुबह 9:46 बजे उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का शव हिंदू राव अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की और सामने आया कि घटना से कुछ समय पहले सुबह लगभग 9:15 बजे मृतक का संगम विहार और जेजे कॉलोनी में रहने वाले दो किशारों से झगड़ा हुआ था। तीनों किशोर अलग-अलग अपराधों में बंद थे तीनों के बीच नहाने को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया कि बाकी दो किशोरों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। मृतक और दोनों आरोपित बाल सुधार गृह में विभिन्न मामलों में बंद थे। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (JMFC) को सूचित किया गया। शव का पोस्टमार्टम चिकित्सकों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा और इसकी वीडियोग्राफी होगी। तीनों के बीच नहाने को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया कि बाकी दो किशोरों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। मृतक और दोनों आरोपित बाल सुधार गृह में विभिन्न मामलों में बंद थे। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (JMFC) को सूचित किया गया। शव का पोस्टमार्टम चिकित्सकों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा और इसकी वीडियोग्राफी होगी।

दिल्ली पुलिस ने किया फर्जी डिग्री रैकेट का पदार्फाश, डिजिटल फार्म में सैकड़ों फर्जी डिग्रियां बरामद

नई दिल्ली: साइबर थाना सेंट्रल जिला की टीम ने एक बड़े फर्जी डिग्री रैकेट का पदार्फाश करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने एक आईटी कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी से स्नातक की डिग्री दोबारा जारी करने के नाम पर 1,55,874 रुपये की ठगी की। पुलिस ने आरोपितों से इस मामले में 4 मोबाइल फोन और 7 सिम कार्ड जब्त किए हैं, जिनमें सैकड़ों फर्जी डिग्रियों का डेटा मिला है। इस तरह हुए फर्जी डिग्री रैकेट का पदार्फाश पीड़ित पिछले 6झ7 वर्षों से गुरुग्राम स्थित एक आईटी फर्म में अनुबंध के आधार पर कार्यरत था। परमानेंट करने की प्रक्रिया के दौरान पता चला कि उसके पास केवल मार्कशीट है, डिग्री नहीं। डिग्री प्राप्त करने में असफल रहा, जिस पर उसने अपने मैनेजर से बात की, जिसने उसे कपिल झाझड़ से संपर्क करने के लिए कहा। कपिल ने शुरू में 25,000 से 30,000 की मांग की, लेकिन बाद में अलग-अलग बहानों से कई बार पैसे मंगवाए। इस तरह 1,55,874 की रकम वसूलने लिए। बिना हस्ताक्षर वाली फर्जी डिग्री थमाई, कंपनी ने की खारिज कपिल ने मानव भारती विश्वविद्यालय की एक फर्जी बिना हस्ताक्षर वाली बीए डिग्री दी। इस डिग्री को कंपनी की ओर से खारिज कर दिया गया। इसके बाद 20 मार्च 2025 को कपिल ने पीड़ित का मोबाइल नंबर ही ब्लॉक कर दिया। इस पर पीड़ित साइबर थाना पुलिस के पास पहुंचा और केस दर्ज कराया। पुलिस टीम ने तकनीकी सर्विलांस और गहन जांच के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपित कपिल झाझड़ को हरियाणा के भिवानी के गांव बोहल से गिरफ्तार किया। फर्जी डिग्री बनाने वाली महिला को कड़कड़डूमा से पकड़ा पूछताछ में कपिल ने स्वीकार किया कि उसने फर्जी डिग्री खुद नहीं बनाई थी बल्कि उसे एक महिला साथी दामिनी शर्मा से प्राप्त की थी। इसके बाद पुलिस ने दिल्ली के कड़कड़डूमा क्षेत्र से दामिनी शर्मा को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से तीन मोबाइल फोन और पांच सिम कार्ड बरामद हुए, जिनमें सैकड़ों फर्जी डिग्रियां डिजिटल रूप में मौजूद थीं।

दो हजार करोड़ के क्लासरूम घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन, दिल्ली में 37 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान हुए 2000 करोड़ के क्लासरूम घोटाले में बुधवार को ईडी ने बड़ा एक्शन किया। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच टीम ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को दिल्ली के 37 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की छापेमारी जानकारी के मुताबिक दिल्ली में बुधवार को जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने क्लासरूम कंस्ट्रक्शन स्कैम मामले में 37 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन को अंजाम दिया। प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कई लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन को चलाया गया। मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ दर्ज है एफआईआर यह स्कैम कथित तौर पर पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान हुआ था। एऊने 30 अप्रैल को दर्ज अपनी एफआईआर में दिल्ली सरकार पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर केस दर्ज किया है। दर्ज एफआईआर में ये आरोप लगाया गया है कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में 12,000 से अधिक क्लासरूम बनाने में 2,000 करोड़ रुपये का घोटाला किया। आरोप लगाया गया कि एक क्लासरूम, जो करीब चार से पांच लाख रुपये में बनकर तैयार हो जाता है

दिल्ली पर मंडरा रहा बढ़ते ओजोन प्रदूषण का खतरा, क्या है सीएसई की रिपोर्ट?

नई दिल्ली। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) ने अपनी नई रिपोर्ट में दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में ओजोन प्रदूषण के बढ़ते खतरे को लेकर चेताया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल गर्मियों के दौरान दिल्ली में करीब-करीब हर दिन ओजोन प्रदूषण का स्तर सुरक्षित सीमा से ऊपर रहा। दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में भी उन दिनों की संख्या बढ़ी है, जब हवा में ओजोन प्रदूषण हावी था। ओजोन कोई सीधे तौर पर उत्सर्जित होने वाला प्रदूषक नहीं है, यह सूर्य की रोशनी में नाइट्रोजन ऑक्साइड, वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड (वीओसी) और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी गैसों के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया से बनता है। क्या कहती है रिपोर्ट रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में मार्च से मई 2025 के बीच हर दिन ओजोन का स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक रहा। 28 अप्रैल को सबसे खराब दिन रहा, जब क्षेत्र के 58 में से 32 निगरानी स्टेशनों में ओजोन का स्तर सुरक्षित सीमा से ऊपर दर्ज किया गया। वहीं जब दिल्ली-एनसीआर के शहरों के अलग-अलग देखा गया तो स्थानीय स्तर पर अलग ही रुझान सामने आए। दिल्ली में सबसे ज्यादा प्रदूषण 13 अप्रैल को दर्ज किया गया, जब ओजोन का औसत स्तर 135 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। इस दौरान 39 में से 25 स्टेशनों पर ओजोन का स्तर तय सीमा से अधिक रिकार्ड किया गया। एनसीआर में 25 अप्रैल को ओजोन का स्तर 139 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया। इस दौरान एनसीआर के अन्य शहरों में 83 दिनों तक ओजोन का स्तर तय सीमा से अधिक दर्ज किया गया। 18 और 28 अप्रैल को एनसीआर के 10 में से 9 स्टेशनों ने सीमा से अधिक स्तर दर्ज किया। दिल्ली के ये इलाके रहे सबसे अधिक प्रभावित रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि गर्मियों के दौरान उत्तर-पश्चिम और दक्षिण दिल्ली में बढ़ते ओजोन से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे।

फर्जी ऑनलाइन एजुकेशन डिग्री मुहैया कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, एक महिला समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिला के साइबर सेल थाना पुलिस ने छात्रों व अन्य जरूरतमंद लोगों को फर्जी ऑनलाइन शिक्षा की डिग्री उपलब्ध कराने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला भी है। जांच में पुलिस को सिर्फ एक पीड़ित की ओर से फर्जी स्नातक की डिग्री उपलब्ध कराकर 1.56 लाख रुपये ठगने की शिकायत मिली है। लेकिन महिला आरोपी के मोबाइल की जांच करने पर उसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों व बोर्ड की सैकड़ों फर्जी डिग्रियां मिली हैं। महिला के साथ कई अन्य लोग भी जुड़े हैं जो फर्जी डिग्री उपलब्ध कराने का धंधा करते हैं। पुलिस उनके बारे में पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार करने में जुट गई है। डीसीपी मध्य जिला निधि वाल्सन के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों के नाम कपिल जाखड़ (गांव बोहल, बवानी खेड़ा, भिवानी, हरियाणा) व दामिनी शर्मा (आनंद विहार) हैं। शिकायतकर्ता पिछले सात साल से गुरुग्राम की एक आईटी फर्म में संविदा पर काम कर रहा है। उसे स्थायी रोजगार के लिए डिग्री की जरूरत थी। उसके पास सिर्फ मार्कशीट है और स्नातक (बीए) की डिग्री नहीं है। जब वह विश्वविद्यालय से अपनी डिग्री प्राप्त करने में विफल रहा, तो उसने कुछ महीने पहले अपने कंपनी मैनेजर से इस मुद्दे पर चर्चा की और उसने उसे कपिल जाखड़ नामक व्यक्ति के पास भेजा। प्रबंधक ने दावा किया कि कपिल उसकी डिग्री को फिर से जारी करने में उसकी मदद कर सकता है। कपिल से मिलने पर, उसने पहले 25-30 हजार रुपये की मांग की और बाद में विभिन्न बहानों से 1.56 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। अंत में उसने उसे मानव भारती विश्वविद्यालय की एक बिना हस्ताक्षर की डिग्री दी, जिसे फर्म ने अस्वीकार कर दिया। कपिल से शिकायत करने पर, उसने 20 मार्च को शिकायतकर्ता को ब्लॉक कर दिया। जिसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अपराध की गंभीरता को देखते हुए, एसीपी सुरेश खुगा और इंस्पेक्टर संदीप पंवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पाया कि कपिल ने अपना मोबाइल और अपना स्थान बदल दिया था। गहन जांच के बाद, कपिल जाखड़ को भिवानी के बोहल गांव से गिरफ्तार किया गया। उससे कार्यप्रणाली और फर्जी डिग्री के स्रोत के बारे में पूछताछ की गई और फोरेंसिक जांच के लिए उसका मोबाइल जब्त कर लिया गया। पूछताछ के आधार पर, बाद में दामिनी शर्मा को कड़कड़डूमा से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से तीन मोबाइल और पांच सिम कार्ड बरामद किए गए। उसके मोबाइल से सैकड़ों फर्जी डिग्रियां बरामद की गईं। टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

जामतारा का माइनिंग इंजीनियर बन गया साइबर ठग, दिल्ली की महिला को इस तरह लगाया आठ लाख का चूना

नई दिल्ली: दिल्ली क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने जामतारा साइबर फ्रॉड सिंडिकेट के एक प्रमुख आरोपित अजय कुमार मंडल को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। यह गिरफ्तारी एक अंतरराज्यीय ऑपरेशन के तहत की गई, जिसमें झारखंड, बंगाल और मिजोरम के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की गई। क्राइम ब्रांच के तहत साइबर सेल के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि इस ऑपरेशन का नेतृत्व सब-इंस्पेक्टर गुलशन और इंस्पेक्टर शिवराम ने किया, जबकि एसीपी अनिल शर्मा इसके पर्यवेक्षक थे। केवाईसी करने के नाम दिल्ली में महिला से ठगे थे आठ लाख आरोपित बैंक अधिकारी बनकर लोगों को ठगता था। ऐसे ही एक मामले में दिल्ली की एक पीड़िता को केवाईसी सत्यापन के नाम पर धोखा दिया गया। आरोपित "अल्ल्y Desk" रिमोट एक्सेस ऐप के माध्यम से पीड़िता के मोबाइल डिवाइस तक पहुंच गया। इसके बाद पीड़िता के खाते से 8,10,387 रुपये की राशि ट्रांसफर कर ली। इस पैसे से सात एप्पल आईफोन और एक मैकबुक खरीदी गई, जिन्हें रिलायंस डिजिटल और फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफामों से खरीदा गया। आरोपित के पास है माइनिंग इंजीनियरिंग का डिप्लोमा साइबर सेल की फॉरेंसिक टीम ने डिजिटल सुरागों के जरिये आरोपित का पता लगाया। सबसे बड़ी सफलता तब मिली जब एक झारखंड के गिरिडीह में एक ही समय पर दो संदिग्ध मोबाइल नंबर सक्रिय पाए गए। इसके बाद की गई कार्रवाई में आरोपित अजय कुमार मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया। अजय कुमार मंडल के पास माइनिंग इंजीनियरिंग का डिप्लोमा है। साइबर फ्रॉड के इस मॉड्यूल का प्रमुख सदस्य था।

दिल्ली में पकड़ा गया अवैध शराब का जखीरा, मिनी ट्रक में लदी पेटियों को देख उड़े पुलिस के होश

बाहरी दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने बवाना और नरेला से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। बवाना में मिनी ट्रक से 5200 क्वार्टर और नरेला में टेंपो से 3500 क्वार्टर व 360 बोतल (30 पेटी) अवैध शराब पकड़ी है। "केवल हरियाणा में बिक्री के लिए" लेबल लगा हुआ था। पुलिस ने दोनों वाहनों के चालक को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपित बुराड़ी (दिल्ली) और दूसरा हरियाणा के जींद जिले का रहने वाला है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि एक गुप्त मुखबिर से दिल्ली के बवाना क्षेत्र से अवैध शराब ले जाए जाने के बारे में गुप्त सूचना प्राप्त हुई। सूचना के अनुसार एक अशोक लीलैंड मिनी ट्रक बवाना में उच्च श्रेणी की अवैध शराब की आपूर्ति करने आएगा। पुलिस ने अशोक लीलैंड मिनी ट्रक से 180 मिलीलीटर की 5200 बोतलें बरामद की गईं। पुलिस ने आरोपित अजय निवासी गांव बरसोला, जिला जींद को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि वह दिल्ली में बिक्री के उद्देश्य से हरियाणा से अवैध शराब लाया था। उधर, पुलिस ने नरेला में एनआइए (नरेला इंडस्ट्रियल एरिया) थाना पुलिस ने गश्त के दौरान यूईआर-2 पर बवाना की ओर एक संदिग्ध वाहन टाटा इंट्रा टेंपो को आते दिखा। पुलिस को देख भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे पकड़ लिया। प्रारंभिक जांच के बाद चालक की पहचान संजीत के रूप में हुई। टेंपो की तलाशी में 100 कार्टन अवैध शराब (3500 क्वार्टर और 360 बोतल अवैध शराब) बरामद हुई, सभी पर "केवल हरियाणा में बिक्री के लिए" लेबल लगा हुआ था। उधर, पुलिस ने नरेला में एनआइए (नरेला इंडस्ट्रियल एरिया) थाना पुलिस ने गश्त के दौरान यूईआर-2 पर बवाना की ओर एक संदिग्ध वाहन टाटा इंट्रा टेंपो को आते दिखा। पुलिस को देख भागने का प्रयास किया, लेकिन उसे पकड़ लिया। प्रारंभिक जांच के बाद चालक की पहचान संजीत के रूप में हुई। टेंपो की तलाशी में 100 कार्टन अवैध शराब (3500 क्वार्टर और 360 बोतल अवैध शराब) बरामद हुई, सभी पर "केवल हरियाणा में बिक्री के लिए" लेबल लगा हुआ था। पूछताछ पर आरोपित संजीत ने बताया कि वह जब्त किए गए वाहन पर चालक के रूप में काम करता है और कभी-कभी जहांगीरपुरी के राजू कबाड़ी को शराब की आपूर्ति भी करता है। उसने सोनीपत (हरियाणा) से अवैध शराब का जखीरा लोड किया है।

राष्ट्रपति भवन का कर्मचारी गिरफ्तार, 24 लाख के मामले की सच्चाई जान उड़े पुलिस अफसरों के होश

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के हाउसहोल्ड सेक्शन में तैनात मुख्य हाउसहोल्ड सहायक के खाते से 24.40 लाख रुपये गायब करने के मामले में नई दिल्ली जिला के साइबर सेल थाना पुलिस ने राष्ट्रपति भवन में ही तैनात पीड़ित के एक सहकर्मी समेत दो आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित के साथ उसी सेक्शन में काम करने वाले आरोपित प्रकाश सिंह की उनके मोबाइल तक पहुंच थी। सहकर्मी की स्मार्टफोन एप्लीकेशन से अनभिज्ञता का फायदा उठाते हुए उसने पीड़ित के अकाउंट एप में फोनपे इंस्टाल कर धोखाधड़ी से 24.40 लाख रुपये (तीन महीने की अवधि में हर तीसरे-चौथे दिन एक-एक लाख रुपये) बिना उनकी जानकारी के ट्रांसफर कर दिए। फोन वापस करने से पहले आरोपित ट्रांजक्शन एसएमएस को डिलीट कर एपअनइंस्टाल कर देता था। डीसीपी नई दिल्ली के मुताबिक राष्ट्रपति भवन के हाउसहोल्ड सेक्शन में तैनात सुरेंद्र कुमार (सरकारी कर्मचारी) ने पुलिस से शिकायत कर बताया कि उनके और उनकी पत्नी के पीएनबी खातों से उनकी जानकारी और सहमति के बिना 24.40 लाख निकाल लिए गए। पासबुक प्रिंटिंग के लिए बैंक जाने पर उन्हें यूपीआइ लेनदेन के माध्यम से हुई धोखाधड़ी का पता चला। शिकायत में उन्होंने बताया कि न तो उन्होंने और न ही उनकी पत्नी ने कभी फोनपे या पेटीएम जैसे यूपीआइ एप इंस्टाल किए और न ही उन्हें डिजिटल बैंकिंग सिस्टम की कोई समझ है। इसपर 14 मई को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। जांच में शिकायतकर्ता की पत्नी के खाते से 16.05 लाख बंगाल के कोलकाता के हथकोला निवासी संजय चक्रवर्ती के बैंक आफ बड़ौदा खाते में स्थानांतरित करने का पता चला। जबकि शिकायतकर्ता के खाते से चार लाख उसी व्यक्ति द्वारा संचालित एक अन्य बैंक आफ बड़ौदा के खाते में भेजने का पता चला। जिसके बाद पुलिस टीम ने संजय चक्रवर्ती को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पूछताछ में उसने दो से तीन प्रतिशत कमीशन के बदले सहयोगी प्रकाश सिंह की ओर से धोखाधड़ी के पैसे प्राप्त करने की बात कबूली। उससे पूछताछ के बाद ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट, अनुसूची बी, प्रेसिडेंट एस्टेट से प्रकाश सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

गैंगस्टर ने बच्चा पैदा करने मांगी पैरोल, जज ने आईवीएफ प्रक्रिया की दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और कई राज्यों में वसूली, हत्या के मामलों में तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी ने कोर्ट से अजीबो गरीब मांग की थी, जिसमें उसने उसे बच्चा पैदा करने और वंश बढ़ाने के लिए 6 घंटे की पैरोल मांगी थी। हालांकि उसकी सारी दलीलें सुनने के बाद जज ने गैंगस्टर को परौल देने से इंकार कर दिया, लेकिन जठेड़ी के वकील की एक दलील से जज सहमत हो गए और उन्होंने जठेड़ी की जेल में आईवीएफ प्रक्रिया को मंजूरी दे दी। स्थानीय कोर्ट ने सुनवाई के दौरान अपने आदेश में गैंगस्टर काला जठेड़ी को हिरासत में रहते हुए ही बच्चा पैदा करने के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) की मंजूरी दे दी है। इस आदेश में कहा गया है कि डॉक्टर तिहाड़ जेल के अंदर जठेड़ी से जरुरी नमूने एकत्र करें। गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों से जठेड़ी की पत्नी आईवीएफ उपचार करवा रही है। ऐसे में इन डॉक्टरों को सैंपल कलेक्शन के लिए तिहाड़ जाने की अनुमति दे दी गई है।

जठेड़ी के वकील दलाल ने कोर्ट में तर्क दिया था कि आईवीएफ की समय-संवेदनशील प्रकृति के कारण अंतरिम पैरोल जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जठेड़ी की पत्नी अनुराधा चौधरी का उपचार एडवांस चरण में चल रहा है। इस प्रोसेस को पूरा करने के लिए काला जठेड़ी को 6 घंटे की परौल की जरूरत होगी। गैंगस्टर काला जठेड़ी और लेडी डॉन अनुराधा चौधरी की शादी 12 मार्च 2024 को द्वारका बैंक्वेट हॉल में भारी सुरक्षा के बीच हुई थी। शादी के लिए कोर्ट से काला जठेड़ी को 6 घंटे की परौल मिली थी।

विमान हादसा : 190 मृतकों के डीएनए सैंपलों का मिलान, जिनमें से 159 शव परिवारों को सौंप गए

अहमदाबाद (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना के मृतकों की पहचान के लिए डीएनए प्रक्रिया चल रही है। 18 जून को सुबह 10.45 बजे के अपडेट के अनुसार कुल 190 मृतकों के डीएनए सैंपल का मिलान हो चुका है। जिनमें से 159 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं और 33 शव अभी सौंपे जाने बाकी हैं। यह जानकारी सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने मीडिया ब्रीफिंग में दी7 उन्होंने बताया कि 10 शव ऐसे हैं जिनके परिजनों का पता नहीं है। अब तक 125 भारतीय, 4 पुर्तगाली, 38 ब्रिटिश और 1 कनाडाई नागरिकता वाले यात्रियों के शव सौंपे जा चुके हैं। अब तक 139 लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। विमान हादसे में 9 मरीज अहमदाबाद सिविल अस्पताल में उपचाराधीन थे, जिनमें से एक मरीज की कल शाम मौत हो गई। सिविल में अब तक भर्ती कुल 71 मरीजों में से तीन की मौत हो चुकी है।

हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट को मिली बम की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट पर बुधवार को अज्ञात लोगों ने एक मेल भेजकर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए हैं। तेलंगाना स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स और अन्य सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस धमकी के बाद एयरपोर्ट के कर्मचारियों और स्टाफ को सावधानी के तौर पर बाहर निकाल दिया गया। सुरक्षा बलों ने स्निफर डॉग्स और बम डिटेक्शन स्क्वॉड की मदद से एयरपोर्ट की जांच की। बम विस्फोट विशेषज्ञ और सुरक्षाकर्मी पूरे एयरपोर्ट का कोना-कोना छाना। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने भी इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को तैनात कर दिया है। साइबर क्राइम विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। जांचकर्ता धमकी भरे मेल को भेजने वाले लोगों की पहचान करने में जुटा हैं। फिलहाल एयरपोर्ट पर स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन सुरक्षा बलों ने पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कोई फर्जी मेल भी हो सकता है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से किसी भी लापरवाही से बचा जा रहा है। इससे पहले जर्मनी से हैदराबाद के लिए उड़ान भरने वाले लुफ्थांसा के विमान को बम की धमकी मिली थी। इसकी वजह से लुफ्थांसा के विमान को वापस फैंकफर्ट हवाई अड्डे वापस जाना पड़ा था।

छतरपुर में दूसरा समलैंगिक विवाह, बुंदेलखंड की युवतियां रच रही हैं इतिहास

छतरपुर (एजेंसी)। छतरपुर जिले के नौगांव ब्लाक के मऊसहानिया गांव में एक समलैंगिक विवाह का मामला सामने आया है। क्रांति श्रीवास उम्र 21 वर्ष और गायत्री रैकवार उम्र 24 वर्ष ने समलैंगिक शादी की है। बिहारी जी मंदिर के पास यह शादी संपन्न हुई है। दोनों युवतियों ने अपने शपथ पत्र में कहा है, वह पूर्ण रूप से बालिग और शिक्षित हैं। मानसिक रूप से स्वस्थ हैं। उन्होंने यह निर्णय पूरे होशो हवास और सोच समझ कर लिया है। दोनों ने अपनी मर्जी से विवाह किया है। शपथ पत्र में दोनों युवतियों ने अपने परिवार से संबंध खत्म करने का भी उल्लेख किया है। छतरपुर जिले में यह दूसरी समलैंगिक शादी है। इसके पहले एक शादी दोरिया में दो युवतियों ने की थी। बुंदेलखंड की युवतियां हमेशा से अपने साहस और शौर्य के कारण सारे भारत में जानी जाती हैं। बुंदेलखंड की युवतियों में अब समलैंगिक शादी की नई हवा बड़ी तेजी के साथ फैल रही है।

मृत भिखारी के पास मिले 91 हजार

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक भिखारी का शव मिला। स्टेशन पर वह लंबे समय से भीख मांग कर गुजारा कर रहा था। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली। उसके पास से 91 हजार 70 रुपए नगद मिले। इसके साथ कई सिक्के भी मिले हैं। मांग मांग कर गुजारा करने वाले इस वृद्ध की उम्र लगभग 60 वर्ष बताई जा रही है। प्लेटफार्म नंबर 8 पर इसका शव मिला है। कुछ समय से यह बीमार था। इतना पैसा होते हुए उसने अपना इलाज नहीं कराया। पैसा जोड़-जोड़ कर समय के पहले ही भगवान के पास चला गया। जिंदा रहने के लिए इसका पैसा भी इसके काम नहीं आया।

संविधान तोड़ने वाले मना रहे संविधान हत्या दिवस..., ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 25 जून को प्रतिवर्ष 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। हालांकि, इसको लेकर एक बार फिर से राजनीति शुरू हो गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार कहती है कि इस साल आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर वह संविधान हत्या दिवस मनाएगी। मैं 'संविधान हत्या' वाले बयान पर आपत्ति जताती हूँ... संविधान हमारे अधिकारों का आधार है, यह लोकतंत्र की जननी है। वे इसे संविधान हत्या कैसे कह सकते हैं?

ममता ने कहा कि इसमें लिखा है कि 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा... वे आपातकाल हत्या दिवस भी मना सकते थे, लेकिन वे संविधान हत्या दिवस मना रहे हैं। मैं इस विचार की पूरी तरह निंदा करती हूँ... क्या आज भारत में लोकतंत्र है? क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर दिन गणतंत्र हत्या दिवस हो सकता है क्योंकि हर दिन वे गणतंत्र की हत्या कर रहे हैं, हर दिन वे लोगों के मौलिक अधिकारों में कटौती कर रहे हैं, वे राज्य की अर्थव्यवस्था और राज्य के सभी मौलिक अधिकारों को भी नष्ट कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र 1975 में लगे आपातकाल के विरोध में 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाएगा, लेकिन भाजपा रोजाना संविधान को कमतर करती है। ममता बनर्जी ने सवाल किया कि क्या महाराष्ट्र और बिहार में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को भाजपा द्वारा गिराना संविधान पर हमला नहीं था। उन्होंने कहा कि जो संविधान का सम्मान नहीं करते, वे इसकी सुचिता को कायम रखने की बात कर रहे हैं। जिस तरह से भाजपा संविधान को बदलने और कमजोर करने की कोशिश कर रही है, हम हर रोज 'संविधान हत्या दिवस' मना सकते हैं।

1975 के आपातकाल को भारत में राजनीतिक उथल-पुथल और नागरिक स्वतंत्रता के दमन के दौर के रूप में याद किया जाता है। इसमें राजनीतिक असहमति को दबाने के लिए मौलिक अधिकारों का निलंबन और सख्त सेंसरशिप शामिल थी। हज़ारों विपक्षी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को बिना उचित प्रक्रिया के गिरफ़्तार किया गया, जिससे भय और अनिश्चितता का माहौल बना। मीडिया को महत्वपूर्ण प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा और प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया। 1977 में व्यापक जन आक्रोश और सत्तारूढ़ पार्टी की चुनावी हार के बाद आपातकाल समाप्त हो गया, जिसने भारत में लोकतांत्रिक संस्थानों की लचीलापन को प्रदर्शित किया।

देश में कोरोना के 6483 सक्रिय केस, बीते 24 घंटे में 4 मौतें

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए वैरिएंट से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते 24 घंटे में 4 मौतें हुई हैं। महाराष्ट्र में 2 और दिल्ली, केरल में 1-1 मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी 2025 से अब तक कोरोना से 113 की मौत हुई है। मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा केरल में 36 और महाराष्ट्र में 31 है। वहीं दिल्ली में भी 13 मौतें हुई हैं। देश के 32 राज्य-केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना के 6483 सक्रिय केस हैं।

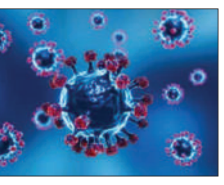

सबसे ज्यादा केरल में 1384 मामले हैं। गुजरात में 1105 और पश्चिम बंगाल में 747 सक्रिय केस हैं। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखकर सावधानी बरतने का निर्देश जारी किया है। प्रमुख स्वास्थ्य अधिकारियों ने सभी अस्पतालों को जरूरी दवाएं, पीपीई किट, जांच सुविधाएं, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू और वेंटिलेटर जैसी सुविधाओं को तैयार रखने को कहा है। वहीं नगालैंड में कोरोना का पहला केस सामने आया। दीमापुर में केस दर्ज हुआ है। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मरीज में हल्के लक्षण हैं और वह फिलहाल घर में आइसोलेशन में है। डॉक्टर उसकी कड़ी निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा कर्नाटक गुलबर्गा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने में 25 बेड का कोविड वार्ड बनाया गया है। इनमें से पांच-पांच बेड आईसीयू (वेंटिलेटर समेत), हाई डिपेंडेंसी यूनिट और पांच प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हैं। बाकी 10 नॉर्मल बेड हैं।

हिंदी कोई राष्ट्र भाषा नहीं यह सिर्फ एक राज्य भाषा है: राज ठाकरे

-महाराष्ट्र सरकार ने पहली से पांचवी कक्षा तक हिंदी की अनिवार्य

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का आदेश दिया है। इसको लेकर बुधवार को बवाल खड़ा हो गया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने जो पहली से पांचवीं तक हिंदी के सख्ती का फैसला लिया है, 17 जून को मैंने पत्र लिखा था कि ऐसा ना करें। हिंदी कोई राष्ट्र भाषा नहीं है।

राज ठाकरे ने कहा कि सीएम फडणवीस ने मुझसे कहा था कि हम हिंदी अनिवार्यता का फैसला वापस ले रहे हैं, जिसके चलते मैंने पांच दिन पहले यह पत्र लिखा था जो अब मैं स्कूल के प्रिंसिपल को भेज रहा हूं। उन्होंने कहा कि हिंदी सिर्फ एक राज्य भाषा है राष्ट्र की नहीं है। नए बच्चों को यह सब ना सिखाएं। उसे जो भाषा सिखनी है, बड़े होकर समझ जाएगा। आईएएस लॉबी का दबाव है क्या? तो यहां तीसरी भाषा का दबाव क्यों है?

उन्होंने कहा कि यूपीप में तीसरी भाषा कौन सी सिखाएंगे। शिक्षा मंत्री कह रहे हैं, यह ऑप्शनल भाषा है तो 6वीं से रखो ना पहली से क्यों रखना है। यह तो राज्य भाषा है, तो यह भाषा क्यों थोप रहे हैं? यूपी, बिहार और एमपी में तीसरी भाषा क्या मराठी सिखाएंगे। गुजरात में भी हिंदी जरूरी नहीं है। महाराष्ट्र सरकार के आदेश के मुताबिक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के सभी छात्र अब अनिवार्य रूप से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन करेंगे। जो छात्र हिंदी के विकल्प के रूप में कोई अन्य भाषा सीखना चाहते हैं, उनकी संख्या 20 से ज्यादा होनी चाहिए।

जाति जनगणना को जमीयत का समर्थन, मुसलमानों से अपील करते हुए बोले मदनी- ये सामाजिक और राजनीतिक जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी जाति-आधारित जनगणना का जोरदार समर्थन करते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इस अभ्यास को भारत में न्याय, समावेशी शासन और समान संसाधन वितरण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बताया। मौलाना मदनी ने इस बात पर जोर दिया कि जाति-आधारित जनगणना एक नियमित सरकारी प्रक्रिया से आगे निकल गई है। उन्होंने कहा, 'यह अब एक जरूरी सामाजिक और राजनीतिक आवश्यकता है,' उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एकत्र किए गए डेटा का नीति निर्माण पर सीधा प्रभाव पड़ेगा, खासकर आरक्षण, सामाजिक कल्याण और विकास योजनाओं जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सटीक डेटा लाभ और सरकारी योजनाओं तक उचित पहुंच सुनिश्चित करने में मदद करेगा, खासकर हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए जिन्हें लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है।

मुस्लिम समुदाय से सक्रिय भागीदारी का आह्वान

पूर्ण सहयोग का आग्रह करते हुए मदनी ने देश भर के सभी मुसलमानों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने प्रत्येक मुस्लिम परिवार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि उनकी जाति की पहचान सही ढंग से दर्ज की गई है, उन्होंने कहा कि यह जानकारी समुदाय को प्रभावित करने वाले भविष्य के नीतिगत निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने जमीयत उलमा-ए-हिंद की स्थानीय शाखाओं, मुस्लिम संगठनों, धार्मिक संस्थानों और समुदाय के नेताओं से भी अपील की कि वे जनगणना के दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में लोगों को शिक्षित करने और प्रक्रिया के माध्यम से उनकी सहायता करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

इस्लामी सिद्धांत और व्यावहारिक वास्तविकताएँ

संभावित चिंताओं को संबोधित करते हुए, मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि जाति-आधारित जनगणना का समर्थन करना समानता के इस्लामी सिद्धांत के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने कहा, 'जबकि इस्लाम समानता पर आधारित समाज के विचार को कायम रखता है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि भारतीय मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है। उन्होंने समाज के सबसे वंचित वर्गों, विशेष रूप से पिछड़े और कम प्रतिनिधित्व वाले मुस्लिम समूहों के उत्थान के लिए नैतिक और संवैधानिक प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

हरियाणा की फैक्ट्री से पकड़े गए 16 बांग्लादेशी, आधार भी बनवा लिया था

पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले में सीएम फ्लाइंग टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पानीपत के गांव बलाना स्थित शिव फाइबर टैक्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री से 16 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। डीएसपी हेडक्वार्टर सतीश वत्स ने जानकारी देते हुए बताया कि सीएम फ्लाइंग की टीम द्वारा बांग्लादेशियों को पकड़ा गया है। ये लोग डेढ़ साल से यहां रह रहे थे। इनको डिपोर्ट करने की तैयारी भी डिपार्टमेंट द्वारा की जाएगी और जिन लोगों ने उनके भारतीय आधार कार्ड बनाए हैं, उनकी भी जांच की जाएगी और नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जांच में पता चला है कि कुछ बांग्लादेशी नागरिकों ने अवैध तरीके से भारतीय आधार कार्ड भी बनवा लिए थे। यह कार्रवाई केंद्र सरकार के आदेश पर की गई है। सरकार ने अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सीएम फ्लाइंग टीम का गठन किया है। टीम द्वारा लगातार हरियाणा के अलग-अलग स्थानों पर रेड की जा रही है।

बिहार की राजनीति में बढ़ता पीके का कद... किस दल की लुटिया डूबो देगा

-तेजस्वी की नींद हराम, एनडीए में भी बढ़ी बैंचेनी

पटना (एजेंसी)। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के बीच प्रशांत किशोर का यह बयान कि हम या 200 सीटें जीतने वाले हैं, या 4-5 पर सिमट जाएंगे। पीके का यह बयान बिहार के गली-गली में गूंज ही रहा है, इस बयान ने नेताओं की नींद भी गायब कर रखी है। बिहार चुनाव से पहले पीके की पॉलिटिक्स ने लालू के लाल तेजस्वी यादव की नींद हराम कर दी है, सिर्फ राजद ही नहीं एनडीए में भी खौफ पैदा कर दिया है। एनडीए नेताओं ने बोलना शुरू कर दिया है कि पीके की राजनीति में इस बार कुछ बड़ा होने वाला है। दो साल पहले जब प्रशांत किशोर ने अपनी 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा बिहार में शुरू की थी, तब नेता और लोग सियासी नौटंकी मान रहे थे। लेकिन 2024 में जन सुराज पार्टी का गठन और उसके ठीक बाद विधानसभा के चार सीटों के उपचुनाव में 10 प्रतिशत वोट हासिल कर पीके ने तहलका मचा दिया।

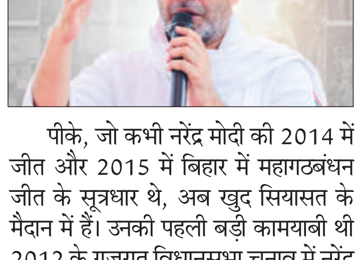

पीके, जो कभी नरेंद्र मोदी की 2014 में जीत और 2015 में बिहार में महागठबंधन जीत के सूत्रधार थे, अब खुद सियासत के मैदान में हैं। उनकी पहली बड़ी कामयाबी थी 2012 के गुजरात विधानसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की जीत, जहां उन्होंने 'चाय पे चर्चा' और '3डी रैलियों' जैसे इनोवेटिव कैंपेन तैयार किए। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत ने उन्हें सियासी रणनीति का 'चाणक्य' बना दिया। लेकिन इसके बाद पीके ने 2015 में नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार की जीत, 2021 में ममता बनर्जी की तृणमूल जीत और डीएमके की तमिलनाडु में वापसी सभी में पीके का दिमाग था।

2024 के बिहार विधानसभा के उपचुनावों में जन सुराज का प्रदर्शन भले ही कमजोर दिख रहा हो, पार्टी की चारों सीटों पर हार हुई। लेकिन पार्टी ने 10 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जो एक नए खिलाड़ी के लिए छोटी बात नहीं। पीके ने दावा किया कि उनका असली मुकाबला एनडीए के साथ है न कि राजद के साथ। वहीं राजद और महागठबंधन ने पीके को 'बीजेपी की बी-टीम' करार दिया है। मीसा भारती ने इतना तक कह दिया हैं कि 'पांडे (पीके की जाति) यादवों को गाली देने का धंधा करते हैं' बिहार चुनाव जिस तरह से प्रशांत किशोर मेहनत कर रहे हैं, उससे सियासत हिल जाए हैरानी नहीं होगी। बताया जा रहा हैं कि आरएसएस का एक वर्ग पीके के सपने को साकार करने में लगा है।

महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही हिंसा... गोपालपुर गैंग रेप पर प्रियंका गांधी ने ओडिशा सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को ओडिशा में 20 वर्षीय महिला के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के बाद ओडिशा की भाजपा सरकार की आलोचना की और दावा किया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ हिंसा हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है। पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय महिला के साथ ओडिशा के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गोपालपुर समुद्र तट पर एक सुनसान जगह पर करीब 10 लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया। पीड़िता एक निजी कॉलेज की स्नातक छात्रा है, जिसने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसके बाद गोपालपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा कि ओडिशा के गोपालपुर में 10 लोगों द्वारा एक छात्रा के साथ की गई क्रूरता की निंदा करने के लिए कड़े शब्द भी पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ हिंसा हर गुजरते दिन के साथ बढ़ रही है। जिस राज्य के मुख्यमंत्री खुद स्वीकार करते हैं कि पिछले पांच सालों में करीब 44,000 महिलाएं और बच्चे गायब हुए हैं, वहां महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता न देना अपने आप में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार है।' घटना रविवार रात की है, जब तीन अन्य महिलाओं के साथ एक निजी मेस में रहने वाली महिला अपने सहपाठी प्रेमी के साथ राजा उत्सव के अवसर पर समुद्र तट पर गई थी। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि जब वे एक सुनसान जगह पर बैठे थे, तभी 10 लोगों का एक समूह उनके पास आया, उसके प्रेमी को पकड़ लिया और बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया।

भारत के न्यूक्लियर हथियारों ने पाक के साथ चीन की बढ़ाई टेंशन, लेकिन नीति राहत वाली

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की परमाणु नीति 'नो फर्स्ट यूस' यानी पहले परमाणु हमला नहीं करने की है। यानी राहत देने वाली है। 2003 में घोषित इस नीति के तहत भारत तभी परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा जब उस पर परमाणु हमला होगा। जवाबी हमला ÷मैसिव÷ यानी व्यापक और अस्वीकार्य नुकसान पहुंचाने वाला होगा। यह निर्णय केवल भारत के नागरिक नेतृत्व- प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली 'न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी' द्वारा लिया जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अमेरिका और रूस अब भी दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु ताकतें हैं। इनके पास 5,459 और 5,177 हथियार हैं। चीन इस समय सबसे तेजी से अपना परमाणु भंडार बढ़ा रहा है। चीन के पास अभी 600 के करीब परमाणु हथियार हैं। अगले दशक तक उसके पास अमेरिका या रूस के बराबर अंतर-महाद्वीपीय मिसाइलें होने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की शुरुआत तक भारत के पास अनुमानित 180 परमाणु हथियार हैं, जबकि 2024 में यह संख्या 172 थी। वहीं, पाकिस्तान के पास अब भी 170 परमाणु हथियार हैं। सिपरी हर साल नए आंकड़ों के आधार पर विश्व की परमाणु ताकतों की सूची अपडेट करता है। इस बार की रिपोर्ट खास इसलिए भी है क्योंकि यह मई 2025 में भारत द्वारा किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के कुछ ही हफ्तों बाद आई है। उस ऑपरेशन में भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों और सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पहलगाम में पाकिस्तान के आतंकियों ने 26 निर्दोष हिंदू टूरिस्टों की हत्या कर दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक मिसाइल, ड्रोन और लड़ाकू विमानों से टकराव चला।

पूरी दुनिया में परमाणु बम के लिए होड़ मची हुई है। इसीलिए इजरायल ने परमाणु बम बना रहे ईरान पर हमला किया। इजरायल के हमले में परमाणु सुविधा के साथ-साथ ईरान के कई वैज्ञानिकों और खास लोगों की जान चली गई। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के पास परमाणु बम की चर्चा हो रही थी। सवाल ये उठता है कि भारत और पाकिस्तान में से किसके पास ज्यादा परमाणु हथियार हैं? तो इस रहस्य से भी पर्दा हट चुका है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की सालाना रिपोर्ट सोमवार को जारी किया गया था।

भारत के निशाने पर केवल पाक नहीं

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की परमाणु रणनीति अब सिर्फ पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। सिपरी ने बताया, 'पाकिस्तान अब भी भारत की परमाणु प्रतिरोधक नीति का मुख्य केंद्र बना हुआ है, लेकिन भारत अब उन हथियारों पर भी ध्यान दे रहा है जो चीन तक पहुंच बना सकें। भारत के परमाणु मिसाइलों की रेंज 250 किलोमीटर से लेकर 5,500 किलोमीटर तक है, जो चीन में घुसकर हमला कर सकते हैं। भारत ने हाल ही में खुद को जमीन, आसमान और समंदर में परमाणु प्रतिरोधक ढांचे को और मज़बूत किया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि

भारत आमतौर पर शांति काल में अपने परमाणु हथियार लॉन्चर से अलग रखता है, लेकिन अब भारत कुछ हथियारों को लॉन्चर के साथ जोड़े रखने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया में नंबर-4 पर किसे मिलेगा मौका? उपकप्तान ऋषभ पंत ने खोले कई राज

लंदन (एजेंसी)। महज दो दिन में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय टेस्ट टीम की उपकप्तान ऋषभ पंत प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए। पीसी में विकेटकीपर बल्लेबाज ने बताया कि विराट कोहली की जगह अब नंबर 4 पर कौन बल्लेबाजी करेगा। साथ ही उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पोजिशन के बारे में बताया और अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे पर भी उन्होंने अपनी बात रखी।

बता दें कि, विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद सवाल उठने लगे थे कि अब 4 नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा? ऐसे में पंत ने बताया कि कप्तान शुभमन गिल नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे जबकि वह खुद नंबर 5 पर खेलते हुए दिखेंगे। हालांकि, नंबर 3 पर कौन बल्लेबाजी करेगा ये अब तक साफ नहीं हो पाया है। वहीं अहमदाबाद हादसे को लेकर विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि, पूरा देश निराश है हम जो कर सकते हैं वह है अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना और देश को खुश करना।

भारत के पास 3 नंबर पर चुनने के लिए तीन विकल्प हैं। इनमें अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर और साई सुदर्शन शामिल हैं। ईश्वरन भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया गए थे। करुण नायर ने हम महीने की शुरूआत में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार दोहरा शतक बनाया था। वहीं सुदर्शन के पास पर्याप्त अनुभव नहीं है। टीम मैनेजमेंट मैच के दिन की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद ही कोई फैसला ले सकता है।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के टेस्ट सीरीज में ओपनिंग कर सकते हैं। दोनों ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में ओपनिंग की थी। इस दौरान राहुल ने शतक जड़ा था। वहीं जायसवाल पिछले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज थे। उन्होंने अभ्यास मैच में भी जज्बा दिखाया। अब टेस्ट सीरीज में उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

लोकल ट्रेन से लीड्स पहुंची भारतीय टीम

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए लीड्स पहुंच गई है। यहां भारतीय टीम शुक्रवार से पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। इसमें सबसे अलग बात ये रही कि इस बार टीम किसी बस या विमान से नहीं बल्कि लोकल ट्रेन से लीड्स पहुंची। सोशल मीडिया पर टीम इंडिया का एक विशेष वीडियो आया है। इसमें कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, उप कप्तान ऋषभ पंत, प्रसिद्ध कृष्णा, केएल राहुल, करुण नायर, अर्शदीप सिंह और फील्डिंग कोच टी. दिलीप सहित सहयोगी स्टाफ के सदस्यों का रेलवे स्टेशन से बाहर आते देखा गया !प्रशंसक टीम और कोचिंग स्टाफ को रेलवे स्टेशन से बाहर आते देख हैरान हो गये। भारतीय टीम अभ्यास मैच के बाद यहां पहुंची है।

भारतीय टीम इस मैच में जीतकर सीरीज की बेहतर शुरुआत करना चाहती है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल नहीं हैं। ऐसे में इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों के पास अपने को साबित करने का अवसर रहेगा। इससे टीम का एक नया युग शुरु होगा। इस सीरीज से दोनो ही टीमें अपने नये विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) सत्र की शुरुआत करेगी।

अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी: दिग्गज प्लेयर 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से हुआ प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2025 सीजन में 14 साल की उम्र में कदम रखते हुए हैरान कर दिया और इसके बाद सबसे तेज शतक लगाकर बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपने कोशल से मुरीद बना लिया। सूर्यवंशी ने 206 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से सिर्फ सात पारियों में 252 रन बनाए। जिसमें गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ 35 गेंदों में शतक भी शामिल था। सूर्यवंशी की इस प्रतिभा से इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जोस बटलर प्रभावित हुए हैं जोकि उस दिन गुजरात के विकेटकीपर थे।

बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा, 'हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी बहुत ही शानदार थी। हमारी (जीटी) गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, शानदार अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, प्रसिद्ध कृष्णा, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, राशिद खान, सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज शामिल हैं और उन्होंने (सूर्यवंशी) बड़े छक्के लगाए। उन्होंने कुछ मैचों के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एक पारी खेली, मैं टीवी पर देख रहा था। ष्ट्स्च के पास आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन सूर्यवंशी ने धमाकेदार पारी खेली! और फिर उन्होंने एक शॉट कवर पर मारा, जैसे

'मैं इतना नियंत्रण में हूं, मैं बस एक शॉट खेलूंगा। उस पल, मुझे लगा कि यह खिलाड़ी अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी है। मैं बहुत हैरान था।'

बटलर ने कहा, 'वास्तव में उन्होंने आईपीएल में अपनी पहली गेंद पर छक्का मारा। उन्होंने खुद को थोड़ी जगह दी और गेंद को लॉन्ग ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ दिया। उनमें निडरता थी। बहुत सारे शानदार खिलाड़ी हैं, वे लगभग एक बयान देना चाहते हैं, जैसे कि 'मुझे देखो'। हमें उनसे यह पूछने की कोशिश करनी होगी कि ऐसा होने से कितने समय पहले आपने सोचा था कि 'मैं अपनी पहली गेंद पर छक्का मारने की कोशिश करूंगा'। क्योंकि यह एक पूर्व-निर्धारित शॉट था। उन्होंने इसकी तलाश की। लोगों ने उन्हें इस अद्भुत बल्ले के साथ देखा है। यह युवराज सिंह या ब्रायन लारा की तरह एक बड़ा बयान है।' गौर हो कि सूर्यवंशी को इंग्लैंड में आगामी टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया है और यदि उन्हें मौका मिलता है तो उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर होगी।

बीसीसीआई को बॉम्बे हाईकोर्ट से लगा तगड़ा झटका, इस टीम को देने होंगे 538 करोड़ रुपये

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई को कोच्चि टस्कर्स केस में बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने बीसीसीआई की याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कोच्चि टस्कर्स के मालिकों के पक्ष में 538 करोड़ रुपये के आर्बिट्रल अवॉर्ड को सही करार दिया। बीसीसीआई ने कोच्चि टस्कर्स टीम को साल 2011 में आईपीएल से बाहर कर दिया था। उसके बाद कोच्चि टीम ने बीसीसीआई के खिलाफ आर्बिट्रेशन केस किया था। फ्रेंचाइजी सिर्फ एक आईपीएल सीजन में खेली और अंक तालिका में आठवें स्थान पर थी।

जज आरआई चागला ने बीसीसीआई और कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड और अन्य मामले में कहा कि अदालत मध्यस्थ के निष्कर्षों पर अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा

कि मध्यस्थता अधिनियम की धारा 34 के तहत इस न्यायालय का अधिकार क्षेत्र बहुत सीमित है। विवाद के गुण-दोषों की गहराई से जांच करने का बीसीसीआई का प्रयास अधिनियम की धारा 34 में निहित आधारों के दायरे की विपरीत है। साक्ष्य और/या गुण-दोषों के संबंध में दिए गए निष्कर्षों के बारे में बीसीसीआई का असंतोष अवॉर्ड को चुनौती देने का आधार नहीं हो सकता।

कोच्चि टस्कर्स फ्रेंचाइजी को रेंडेजवस स्पोर्ट्स वर्ल्ड ने लिया था। बाद में फ्रेंचाइजी को कोच्चि क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया गया। बीसीसीआई ने सितंबर 2011 में फ्रेंचाइजी समझौते के उल्लंघन का हवाला देकर कोच्चि टस्कर्स को समाप्त कर दिया। बीसीसीआई ने कहा कि फ्रेंचाइजी बैंक गारंटी देने में विफल रही थी। वहीं, केसीपीएल ने कहा कि देरी अनसुलझे मुद्दों के कारण हुई, जिसमें स्टेडियम की अनुपलब्धता, शेयरहोल्डिंग पर विनियामक अनुमोदन और आईपीएल मैच की संख्या में कमी शामिल थी।

देरी के बीच बीसीसीआई और केसीपीएल कई महीनों तक संपर्क में रहे थे। बोर्ड ने कई भुगतान भी स्वीकार किए। लेकिन अचानक बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी को समाप्त कर दिया और आरएसडब्ल्यू द्वारा जारी की गई पूर्व गारंटी को भी भुना लिया। केसीपीएल और आरएसडब्लू ने 2012 में मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की और ट्रिब्यूनल ने 2015 में उनके पक्ष में फैसला सुनाया। केसीपीएल को 384 करोड़ रुपये और आरएसडब्लू को 153 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया गया था। इसके साथ ही ब्याज और लीगल कॉस्ट भी देने का जिक्र था।

सूर्यकुमार चोट के इलाज के लिए इंग्लैंड रवाना, हो सकती है सर्जरी

नई दिल्ली - भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 'स्पोर्ट्स हर्निया' से संबंधित चोट के इलाज के लिए विशेषज्ञ से परामर्श लेने इंग्लैंड गए हैं और यदि आवश्यक हुआ तो उनकी सर्जरी भी हो सकती है। 33 वर्षीय सूर्यकुमार ने मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 700 से अधिक रन बनाए और इसके तुरंत बाद मुंबई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट में भी खेले। यह पता नहीं है कि क्या मुंबई टी20 लीग के दौरान उनका दर्द बढ़ गया था क्योंकि सूर्यकुमार तीन महीने तक लगातार यात्रा कर रहे थे और खेल रहे थे।इस क्रिकेटर के एक करीबी सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''सूर्या पेट के निचले हिस्से में दाहिनी तरफ स्पोर्ट्स हर्निया से पीड़ित हैं। वह परामर्श के लिए ब्रिटेन गए हैं। यदि आवश्यक हुआ तो वह सर्जरी करवाएंगे।' अपने करियर में दर्द के बावजूद कई मैच खेलने वाले सूर्यकुमार आईपीएल और मुंबई टी20 की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहते थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'अगस्त-सितंबर से पहले कोई टी20 क्रिकेट नहीं होने के कारण सूर्यकुमार ने सोचा कि यह सबसे अच्छा समय है जब वह अपनी चोट का इलाज करा सकते हैं और बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इससे उबरने के लिए पर्याप्त समय भी मिल जाएगा।'

शुभमन के लिए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज आसान नहीं होगी : कार्तिक

नई दिल्ली। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि ?भारतीय क्रिकेट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज आसान नहीं रहेगी। कार्तिक के अनुसार उनका विदेशी धरती पर बल्लेबाजी औसत अच्छा नहीं रहा है। वहीं इंग्लैंड की पिचों पर बल्लेबाजी करना काफी कठिन होता है। शुभमन को कप्तानी सौंपी गई है और इस कारण भी उनपर दबाव रहेगा। भारतीय टीम भारत ने आखिरी बार 2007 में यहां टेस्ट सीरीज जीती थी। वहीं इस बार टीम के पास रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज नहीं हैं। दूसरी ओर कोच कोच ब्रेंडन मैकुलम के आने से इंग्लैंड की टीम काफी आक्रामक क्रिकेट खेलती है। साल 2022 में मैकुलम के कोच बनने के बाद से ही टीम अपनी धरती पर कोई टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। ऐसे में कार्तिक का मानना ?है कि प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण इंग्लैंड का कमजोर गेंदबाजी आक्रमण ही भारतीय टीम के लिए राहत की बात है। ऐसे में अगर टीम को मेजबानों पर दबाव बनाना है तो उनके गेंदबाजों को निशाना बनाना होगा। इंग्लैंड के बल्लेबाज आक्रामक रवैया अपनाकर मैच पर पकड़ बनाने का प्रयास करेंगे। ऐसे में गेंदबाजी को निशाना बनाकर भारतीय टीम दबाव बना सकती है। शुभमन का औसत इससे पहले इंग्लैंड में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 14.66 की औसत से 88 रन बनाए। ऐसे में कार्तिक चाहते हैं कि गिल अपनी बल्लेबाजी पर भी ध्यान दें। कार्तिक का मानना ??है कि यह मैदान भारत के सबसे युवा टेस्ट कप्तान के लिए रन बनाने और ड्रेसिंग रूम में सम्मान पाने के लिए आदर्श जगह हो सकती है।

लीड्स की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी रहेगी : रॉबिन्सन

लीड्स। यहां शुक्रवार से भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में पिच कैसी रहेगी। ये सवाल सभी मन में उठ रहा है। इसी को लेकर पिच क्यूरेटर रिचर्ड रॉबिन्सन ने कहा है कि पिच अच्छी रहेगी। रॉबिन्सन ने कहा कि यहां अभी शुष्क मौसम है और मेजबान टीम की उम्मीदों के अनुसार ही एक ऐसी पिच बनायी गया है जिसपर आक्रामक शॉट खेले जा सकें। लीड्स में आमतौर पर सीरीज के बीच के मैच होते हैं पर इस बार पहला ही टेस्ट यहां शुरु हो रहा है। ऐसे में आयोजकों का पूरा धयान इस मैच पर है। रॉबिन्सन ने कहा, ' इंग्लैंड की टीम एक अच्छी सतह चाहती है जिससे कि वे आक्रामक शॉट खेल सकें और उसी अनुसार पिच तैयार की गयी है। रॉबिन्सन को उम्मीद है कि शुरुआती दिन इस पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी पर गर्मी के कारण मैच आगे बढ़ने पर ये सपाट होने की संभावना है। पिच इंग्लैंड की आक्रामक शैली को देखते हुए तैयार की गयी है। इससे इसमें युवा भारतीय बल्लेबाजों को भी रन बनाने का अच्छा अवसर मिलेगा। इस दौरे मेंशुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम में लोकेश राहुल सबसे सीनियर खिलाड़ी होंगे जिनपर भारतीय बल्लेबाजी की जिम्मेदारी होगी। वहीं युवा यशस्वी जायसवाल सीनियर टीम के साथ इंग्लैंड के अपने पहले दौरे पर आए हैं और उनका लक्ष्य भी बेहतर प्रदर्शन रहेगा।

महिला टी20 विश्व कप 2026 का शेड्यूल जारी, भारत का पहला मुकाबला पाकिस्तान स

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मैच में 14 जून को एजबेस्टन में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) और मेजबान इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने बुधवार को टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम घोषित किया जिसमें 12 टीमें भाग लेंगी। अगले साल होने वाला यह टूर्नामेंट 24 दिन तक चलेगा जिसकी शुरुआत 12 जून से होगी और समापन पांच जुलाई को होगा। टूर्नामेंट के 33 मुकाबले इंग्लैंड के सात स्थानों पर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला मैच 12 जून को एजबेस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच होगा जबकि भारत और पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत एजबेस्टन में ही करेंगे। एजबेस्टन के अलावा मैच हैम्पशायर बाउल, हेडिंग्ले, ओल्ड ट्रैफर्ड, द ओवल, ब्रिस्टल काउंटी मैदान और लॉर्ड्स पर खेले जाएंगे। दो सेमीफाइनल 30 जून और दो जुलाई को ओवल में होंगे जबकि फाइनल पांच जुलाई को लॉर्ड्स में होगा।

दो ग्रुप में बंटी टीमें

टूर्नामेंट की 12 टीम को छह-छह के दो ग्रुप में रखा गया है।

ग्रुप 1 - छह बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया, पिछले चरण की उप-विजेता दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान और दो क्वालीफाइंग टीम शामिल हैं।

ग्रुप 2 - गत विजेता न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, मेजबान इंग्लैंड और दो क्वालीफाइंग टीम शामिल हैं।

सेमीफाइनल - प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें

भारत बनाम पाकिस्तान

पाकिस्तान के खिलाफ अपने शुरुआती मुकाबले के बाद भारतीय टीम 17 जून को क्वालीफाइंग टीम के खिलाफ अपने मुकाबले के लिए हेडिंग्ले जाएगी और उसके बाद टीम का सामना 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारत 25 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में ग्रुप एक की दूसरी क्वालीफाइंग टीम का सामना करेगा जबकि उसका सबसे मुश्किल मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले इंग्लैंड ने खेली चाल, टीम में शामिल किया 6.4 फुट का तेज गेंदबाज

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत की इंग्लैंड खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है। सीरीज इंग्लैंड में खेली जाएगी, ऐसे में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की पूरी उम्मीद है क्योंकि इंग्लैंड की पिचें उछाल और गति प्रदान करती हैं। भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी में डालने के लिए इंग्लैंड टीम की बड़ी रणनीति सामने आई है। टीम में 6 फुट 4 इंच के तेज गेंदबाज एडी जैक को शामिल किया गया है। जैक को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड की सीनियर टीम के साथ अभ्यास करने का अवसर दिया गया। एसा हो सकता है कि उन्हे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत खिलाफ खेलने का मौका भी मिले। जैक ने भारत 'ए' बनाम इंग्लैंड लायंस मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिसकी बदोलत उन्हें इंग्लैंड की सीनियर टीम के साथ जोड़ा गया। उन्हें जोश टंग के बैकअप के रूप में टीम में शामिल किया गया, जो भारत 'ए' के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। जैक ने नॉर्थम्प्टन में खेले गए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को आउट कर सभी का ध्यान खींचा। राहुल ने उस पारी में शतक जड़ा था, लेकिन जैक की गेंद पर उनका विकेट गिरना मैच का टर्निंग पॉइंट बन गया। जैक ने अपनी गति, उछाल और सटीक लाइन-लेंथ से भारतीय शीर्ष क्रम को काफी परेशान किया। उन्होंने दूसरी पारी में 71 रन देकर 2 विकेट हासिल किए थे। उन्हें पहली पारी में कोई विकेट नहीं मिला था लेकिन वह चयनकर्ताओं को प्रभावित करने में सफल रहे और उन्हें इंग्लैंड की मुख्य टीम में शामिल करने का फैसला किया गया। विशेष रूप से भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ उनकी धारदार गेंदबाजी इंग्लैंड के लिए आगामी टेस्ट सीरीज में एक बड़ा हथियार साबित हो सकती है।

रवि शास्त्री ने चुनी अपनी प्लेइंग 11, इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इन प्लेयर्स को दिया मौका

लंदन (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में नए अध्याय की शुरुआत करेगा। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने प्लेइंग 11 को लेकर भविष्यवाणी की है। नए भारतीय कप्तान शुभमन गिल और उप-कप्तान ऋषभ पंत सहित सभी 18 खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी रहेगी क्योंकि भारत नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरूआत भी करेगा।

आईसीसी रिव्यू में शास्त्री ने अपनी टीम की सूची बनाते हुए कहा, 'यह (यशस्वी) जायसवाल होगा और उसके साथ केएल राहुल होंगे, क्योंकि मुझे लगता है कि यह उनके लिए एक बड़ा दौरा है। वह बल्लेबाजों में सबसे अनुभवी हैं। पिछली बार जब भारत ने इंग्लैंड का दौरा किया था, तब उन्होंने ओपनिंग की थी, शतक बनाया था, (और) दौरा अच्छा रहा था। इसलिए मैं उनसे पारी की शुरुआत करने की उम्मीद करूंगा।

शास्त्री ने तीसरे नम्बर के लिए युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन को चुना। उन्होंने कहा, 'तीसरा, मैं युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन को चुनूंगा। मैंने उन्हें जितना भी देखा है, वे बहुत प्रभावशाली हैं। यह दौरा उनके लिए अच्छा अनुभव होगा।' चौथे स्थान पर शास्त्री ने गिल को रखा जो कभी कोहली का हुआ करता था। शास्त्री ने कहा, टीम में नंबर 4 पर नए टेस्ट कप्तान शामिल हैं, 25 वर्षीय गिल ने अपने लाल गेंद के अंतरराष्ट्रीय करियर में 32 मैचों में यह भूमिका निभाई है।'

शास्त्री ने माना कि यह हेडिंग्ले असाइनमेंट से पहले फॉर्म के आधार पर निर्णय हो सकता है, लेकिन करुण नायर पर विश्वास कर सकते हैं, जिनके पास काउंटी क्रिकेट का भी अनुभव है और उन्होंने लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी अर्जित की है। उन्होंने कहा, 'सभी संभावना में वर्तमान फॉर्म के आधार पर, यह करुण नायर होगा। वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करता है, उसे भारत के लिए खेले हुए काफी समय हो गया है। छठे नंबर पर (ऋषभ) पंत होंगे। मुझे लगता है कि उसने (नायर) वास्तव में कड़ी मेहनत की है। उसने टीम में वापसी के लिए कड़ी मेहनत की है। पहले-आखिरी क्रिकेट में उसने जितने रन बनाए हैं, वह अविश्वसनीय है।'

पूर्व मुख्य कोच ने कहा, 'मैं उससे एक आईपीएल खेल के दौरान मिला था। मैंने कहा, 'बस दरवाजा मत पीटना। बस उसे लात मारो और अपना रास्ता बनाओ और उस टीम में चले जाओ'। मुझे लगता है कि उसने ऐसा ही किया है। उसने जितने रन बनाए हैं, उसने चयनकर्ताओं को उस दिशा में देखने और उसे जगह देने के लिए प्रेरित किया है।'

भारत के गेंदबाजी आक्रमण के बारे में उन्होंने नंबर 7 पर रवींद्र जडेजा टीम के मुख्य स्पिनर हैं। दो तेज गेंदबाज ऑलराउंडर एक स्थान के लिए संघर्ष करते दिख रहे हैं, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और बाएं हाथ के गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बीच फैसला स्थिति पर निर्भर हो सकता है। शास्त्री ने कहा, 'मैं तीन तेज गेंदबाजों (साथ ही) शार्दुल ठाकुर के साथ जाऊंगा। मुझे पता है कि शार्दुल और नितीश रेड्डी के बीच यह मुश्किल होगा, लेकिन आपको देखना होगा कि कौन कितना गेंदबाजी

करता है। अगर रेड्डी आपको 12, 14 ओवर देने जा रहे हैं, तो उनकी बल्लेबाजी के कारण उन्हें मौका मिल सकता है। और तीन तेज गेंदबाज होंगे, मैं प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और निश्चित रूप से जसप्रीत बुमराह के साथ जाऊंगा।'

उन्होंने इसी के साथ ही कहा, 'लीड्स में अगर आसमान में बादल छाए हुए हैं, तो बाएं हाथ के गेंदबाज अशदीप सिंह को भी मौका दिया जा सकता है। इसलिए प्रसिद कृष्णा/अशदीप होंगे, लेकिन बाकी दो सिराज और बुमराह होंगे।'

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए रवि शास्त्री की प्लेइंग 11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल, करुण नायर, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर/ नितीश रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा/ अशदीप सिहं, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह

ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर से प्रेरित हैं सुदर्शन

लंदन। युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा है कि वह ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर से प्रेरित हैं। सुंदर को देखकर ही उन्हें आगे बढ़ने और भारतीय टीम में जगह बनाने की प्रेरणा मिली। सुदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में अपना डेब्यू कर सकते हैं जिसको लेकर वह उत्साहित हैं। वहीं सुंदर ने अब तक तीन एकदिवसीय और एक टी20आई में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका में दो एकदिवसीय अर्धशतक शामिल हैं। सुदर्शन ने घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाये जिसके बाद ही उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में जगह मिली। आईपीएल में सुदर्शन ने 16 पारियों में एक शतक और छह अर्धशतकों के साथ 759 रन बनाए। उनकी बेहतर बल्लेबाजी तकनीक से चयनकर्ता प्रभवित दिखे। सुदर्शन घरेलू क्रिकेट में सुंदर से जूनियर हैं क्योंकि सुंदर तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं, वहीं सुदर्शन उनके जूनियर हैं। आईपीएल स्टार बनने से पहले सुदर्शन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया, जहां वह 30 पारियों में 56.65 की औसत, एक शतक और 13 अर्द्धशतक के साथ 1,303 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वालों में 10वें नंबर पर हैं। सुंदर को आदर्श मानने को लेकर सुदर्शन ने कहा कि वह सुंदर की तेजी से की गयी प्रगति से प्रभावित रहे हैं। एक वीडियो में सुदर्शन ने कहा, जब मैं छोटा था, तब से ही वह मेरी प्रेरणा रहे हैं। मैंने उनके खिलाफ कुछ मैच खेले हैं, इसलिए यह हमेशा खास होता है। ईमानदारी से कहूं तो हमने उनसे बहुत प्रेरणा ली है। मैंने एक या दो बार सुंदर के खिलाफ अभ्यास किया है, जिस तरह से वह आगे बढ़े और जिस तरह से उन्होंने देश के लिए खेला, वह वाकई बहुत तेज था, इसलिए मैंने इसे अपने दिमाग में रखा।

फिर दिलजीत दोसांझ के साथ काम करेंगे इम्तियाज अली

फिल्म निर्माता इम्तियाज अली अमर सिंह चमकीला के बाद एक बार फिर दिलजीत दोसांझ के साथ एक और फिल्म बनाने को तैयार हैं। फिल्म प्यार और लालसा की कहानी होगी और साल 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म में दिलजीत के साथ नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी जैसे सितारे स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे। फिल्म की शूटिंग अगस्त 2025 से शुरू होगी और 2026 में बैसाखी पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लेखक-निर्देशक इम्तियाज अली ने एक बयान में कहा- तुम मेरे पास होते हो गोया, जब कोई दूसरा नहीं होता – मोमिन। क्या वाकई प्यार खो सकता है? क्या किसी के दिल से घर छीना जा सकता है? अली ने बताया कि फिल्म बहुत बड़ा दिल रखती है। डायरेक्टर ने आगे कहा, इसका कैनवास बड़ा है, फिर भी यह बहुत निजी है। यह एक लड़के और लड़की की कहानी है, हमें उम्मीद है कि अगले साल आपके नजदीकी थिएटर में यह कहानी आपको काफी पसंद आएगी। फिल्म के बारे में अभी सारी बातों को गुप्त रखा गया है। यह पहली बार होगा जब दिलजीत, वेदांग और शरवरी के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। वहीं, इम्तियाज, ए.आर. रहमान और इरशाद कामिल की जादुई तिकड़ी एक बार फिर साथ में काम करेगी। इससे पहले भी तीनों ने रॉकस्टार, हाईवे, तमाशा, अमर सिंह चमकीला में साथ काम किया है। फिल्म निर्माता और दिलजीत के साथ काम करने के बारे में बात करें तो, दोनों ने 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म अमर सिंह चमकीला में साथ काम किया था, यह एक बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म थी, जो कि संगीतकार अमर सिंह चमकीला के जीवन पर आधारित थी। इसका निर्देशन, निर्माण और सह-लेखन इम्तियाज अली ने किया। फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में थे, जबकि परिणीति चोपड़ा उनकी दूसरी पत्नी अमरजोत की भूमिका में थीं। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया, जबकि गीत इरशाद कामिल ने लिखे थे।

किताबों से नहीं, असली अभ्यास से बेहतर होती है एक्टिंग

हाउसफुल 5 की एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा का मानना है कि एक्टिंग सीखने का सबसे अच्छा तरीका है, असलियत में एक्टिंग करना। उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी किताबें पढ़ लो या बातें सुन लो, लेकिन अभिनय की समझ और कला सिर्फ अभ्यास से ही बेहतर होती है। सौंदर्या ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने थिएटर और सिनेमा, दोनों में काम किया है। साथ ही दोनों जगहों के अनुभव को साझा किया।

सौंदर्या ने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में वर्कशॉप किया है। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका के लॉस एंजेलिस में ली स्ट्रासबर्ग थिएटर में पढ़ाई की और वहां एनवाईएफए से एक्टिंग का कोर्स भी किया है। उन्होंने कहा कि वह थिएटर और सिनेमा दोनों में अभी नई हैं। वह अभी भी सीख रही हैं कि इस इंडस्ट्री में काम कैसे होता है और चीजें कैसे चलती हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, थिएटर और सिनेमा पर काम करना अलग होता है। थिएटर में जब आप एक्टिंग करते हो, तो आपको स्टेज के आखिरी कतार में बैठे लोगों तक अपनी बात पहुंचानी होती है। वहां हर भावना, हर किरदार को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना होता है। उन्होंने आगे कहा, भावनाएं तो वही होती हैं, लेकिन उन्हें दिखाने का तरीका अलग होता है। हाउसफुल 5 पूरी तरह से अलग फिल्म है। इसमें ज्यादा अलग-अलग भावनाएं नहीं हैं। इसमें खुशी और मस्ती का माहौल रहता है, जैसे रोजमर्रा की जिंदगी में होता है। लेकिन हां, जब मैं और काम करूंगी, तो बहुत कुछ सीख पाऊंगी। इंसान सिर्फ काम करके ही अच्छा बनता है। एक्टिंग सीखने से नहीं, बल्कि असलियत में करने से आती है और अभ्यास से बेहतर होती है। यह मेरी राय है। इससे पहले आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सौंदर्या ने बताया था कि उनके लिए लाल परी का खिताब क्या मायने रखता है। उन्होंने अपने जवाब में कहा था, जब कहीं से कोई अचानक कहता है, अरे देखो, लाल परी सौंदर्या, तो यह सुनकर अच्छा लगता है। इस टाइटल ने मुझे नई पहचान दी है। इससे ऐसा लगता है जैसे लोग मेरे काम को सच में पसंद कर रहे हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। जब उनके लाल परी टाइटल की तुलना मलाइका अरोड़ा की मुन्नी बदनाम और कैटरीना कैफ की शीला की जवानी से की गई थी, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा था, आप जिन दो कलाकारों की बात कर रहे हैं, वे मेरी सीनियर्स हैं। उनसे मेरी तुलना होना बहुत बड़ी बात है। मेरा सफर तो अभी शुरू ही हुआ है। मैं ज्यादा अच्छा काम करना चाहती हूं, ताकि लोगों से मुझे ऐसे ही ढेर सारा प्यार मिलता रहे।

सिर्फ टच में रहना काफी नहीं, दिल से जुड़ना भी रिश्ते में जरूरी आदित्य रॉय कपूर

एक्टर आदित्य रॉय कपूर अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो... इन दिनों को लेकर काफी चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए एक्टर ने दिल से जुड़े रिश्तों पर जोर दिया। उन्होंने बताया है कि आजकल के जमाने में लोग लगातार बात करते रहते हैं, लेकिन असल में जुड़ाव कम होता है। उनका मानना है कि सिर्फ टच में रहना ही काफी नहीं होता, दिल से जुड़ना भी जरूरी होता है, ताकि रिश्ते गहरे और मजबूत बने रहें। आदित्य ने कहा कि फिल्म मेट्रो... इन दिनों में कई कहानियां हैं, जो आज के प्यार और रिश्तों के बारे में हैं, जहां कभी-कभी लोग जुड़ते हैं और कभी-कभी टूटते भी हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये कहानियां सिर्फ अलगाव की नहीं हैं, बल्कि जुड़ाव की भी हैं। आजकल की दुनिया में हम पहले से ज्यादा जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, अगर आप चाहें तो किसी से तुरंत जुड़ सकते हैं, पर मुझे नहीं पता कि इससे रिश्ते और बेहतर होंगे या नहीं। और यह एक सवाल है जो हमें खुद से बार-बार पूछना चाहिए। क्योंकि कभी-कभी हम किसी से हमेशा बात करते रहते हैं, लेकिन अगर वह बातचीत दिल से नहीं है, तो फिर वह बात करने का मतलब क्या रह जाता है?

आदित्य ने आगे कहा, कभी-कभी हमें लगता है कि हम अपने दोस्तों से जुड़े हुए हैं क्योंकि हम एक-दूसरे को लगातार मीम्स भेजते रहते हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि ये बातें सच में मतलब वाली बातचीत हैं या नहीं। ये मैसेज गहरी बातचीत की जगह नहीं ले सकतीं। एक्टर ने कहा, इसलिए मेरा मानना है कि यह बहुत जरूरी है कि हम अपने रिश्तों के बारे में सोचते रहें और समझें कि क्या सिर्फ बात करते रहने का मतलब है कि हम सच में जुड़े हुए हैं, या फिर यह सिर्फ दिखावा है। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर के साथ एक्ट्रेस सारा अली खान हैं। मेट्रो... इन दिनों में आधुनिक और जटिल रिश्तों की कहानी है। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान के अलावा, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे मशहूर कलाकार हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सैयारा में अहान पांडे को लेकर बोले निर्देशक मोहित सूरी

अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे सैयारा फिल्म में अनीत पड्डा के साथ डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में मोहित ने बताया है कि वह फिल्म में अहान को लेने के लिए पूरी तरह से संतुष्ट नहीं थे। उन्हें फिल्म में सीधे लेने के बजाए उनको परखने का रास्ता अपनाया। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि अहान का ऑफ-कैमरा व्यवहार, किरदार से काफी मेल खाता है। बातचीत में मोहित सूरी से फिल्म सैयारा में अहान पांडे और अनीत पड्डा को लिए जाने के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा शानू शर्मा जो यश राज फिल्म्स के लिए कास्ट करते हैं, ने मुझे ऑडिशन दिखाया। यह बहुत सिंपल था। जब मैंने अहान का ऑडिशन देखा, तो मैं आश्वस्त नहीं था। तो मैंने बहाना किया कि मैंने उन्हें पसंद किया। मोहित सूरी ने आगे बताया मैंने उन्हें नहीं बताया कि वह मेरी फिल्म में ले लिए गए हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा चलो डिनर पर चलते हैं। हम एक घंटे के लिए डिनर के लिए जाने वाले थे लेकिन पूरी रात हम बाहर रहे। मुझे लगता है कि जब कैमरा बंद होता है, और जब आप किसी को काम करते हुए नहीं देखते हैं, असल टेस्ट वही होता है। इस तरह मैंने उन्हें बिना कैमरे के टेस्ट किया। इसके बाद मैंने जाना कि वह क्या हैं। मुझे महसूस हुआ कि अगर यह इसका 50 प्रतिशत भी हैं, तो ये मेरी फिल्म के लिए उचित हैं।

अल्लू अर्जुन होंगे नए शक्तिमान डायरेक्टर के नाम पर भी मुहर!

शक्तिमान जैसी बड़ी सीरीज को वापस लाने के लिए कई सालों से बात चल रही है लेकिन कोई भी एक्टर इस रोल के लिए फिट नहीं बैठ रहा था। अब आखिरकार शक्तिमान को नया चेहरा मिल गया है और वो कोई और नहीं बल्कि लाखों फैंस के फेवरेट अल्लू अर्जुन हैं। कई सारी अटकलों और इंतजार के बाद भारतीय सुपरहीरो शक्तिमान इस बार बड़े पर्दे पर लौटने के लिए तैयार है, जिसमें भारतीय सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इस रोल को निभाएंगे। शक्तिमान आधिकारिक तौर पर वापस आ गया है और भारतीय पौराणिक कथाओं की ये कहानी नए तरीके से पेश की जाएगी। बॉलीवुड सूत्रों के अनुसार, शक्तिमान अब अल्लू अर्जुन के साथ फिर से शुरू होने वाला है। इस एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए बता दें कि मलयालम सुपरहीरो बेसिल जोसेफ को इस मेगा वेंचर का निर्देशन करने के लिए चुना गया है। वह शक्तिमान के रोल के लिए अल्लू अर्जुन के साथ बातचीत कर रहे हैं। दो बड़े अंतरराष्ट्रीय स्टूडियो गीता आर्ट्स के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

अल्लू अर्जुन होंगे नए शक्तिमान!

यह AA23 य AA24 हो सकती है। इसके अलावा अल्लू को दिल राजू के प्रोडक्शन में लीड रोल के लिए चुना गया है। हालांकि, इसमें समय लगेगा लेकिन माना जा रहा है कि यह फिल्म प्रशांत नील के साथ अल्लू अर्जुन की पहली फिल्म होगी। यह फिल्म अल्लू अर्जुन के करियर में मील का पत्थर साबित होगी, संभवत: यह उनकी 23वीं या 24वीं फिल्म होगी।

पुष्पा 2 की भारी सफलता के बाद अल्लू पूरे भारत में एक जाना-माना नाम बन गए हैं और शक्तिमान उनकी पैन इंडिया अपील को और मजबूत कर सकता है। एक प्यारे हीरो, एक दूरदर्शी निर्देशक और एक वैश्विक स्टूडियो के पावरहाउस के मिलन के साथ शक्तिमान भारत का अगला बड़ा सुपरहीरो बनने के लिए तैयार है।

मुकेश खन्ना को भी पसंद हैं अल्लू अर्जुन

मुकेश खन्ना ने 2024 में अपलोड किए गए एक वीडियो में सुझाव दिया था कि अल्लू अर्जुन अगले सुपरहीरो के रोल के लिए एक अच्छा विकल्प होंगे। मुकेश ने एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने चर्चा की कि उन्हें क्यों लगता है कि अर्जुन अगले शक्तिमान हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने अंतिम निर्णय मेकर्स पर छोड़ दिया था। उन्होंने कहा, मैं किसी भी बात के लिए प्रतिबद्ध नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान हो सकते हैं। उनके पास अच्छी शक्ल और लंबाई है, लेकिन पुष्पा के मेकर्स ने उन्हें खलनायक में बदल दिया है। फिर भी वो शक्तिमान के रोल में फिट बैठेंगे।

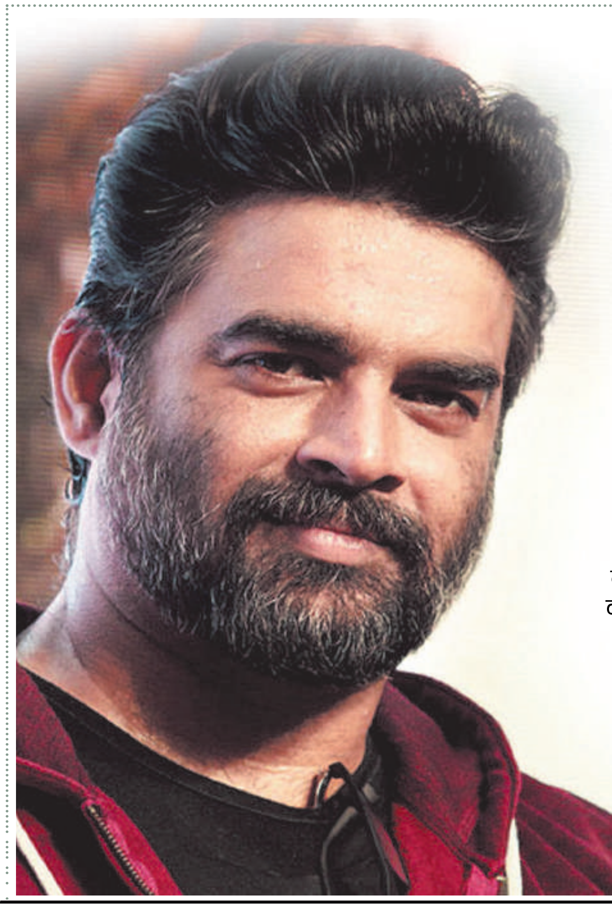

आप जैसा कोई में दिखेगी माधवन और फातिमा सना शेख की लव स्टोरी

बॉलीवुड के सबसे बड़े फिल्म मेकर्स एक करण जौहर का प्रोडक्शंस अब अपनी पारंपरिक भव्य और NRI-केंद्रित प्रेम कहानियों से हटकर, देश के छोटे शहरों और कस्बों की कहानियां पेश करने की तैयारी में है। उनकी आने वाली दो फिल्में आप जैसा कोई और धड़क 2 इस नए बदलाव की गवाह बन रही हैं। आप जैसा कोई में आर. माधवन और फातिमा सना शेख लीड रोल में हैं। फिल्म की कहानी जमशेदपुर और कोलकाता के बीच घूमती है। वहीं सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत फिल्म धड़क 2 भोपाल की पृष्ठभूमि पर बेस्ड है।

छोटे शहरों की कहानियों पर बेस्ड फिल्म लाएंगे करण जौहर

अब तक करण जौहर की फिल्में जैसे कभी खुशी कभी गम और कभी अलविदा ना कहना, विदेशों में रहने वाले भारतीय प्रवासियों और उनकी जीवनशैली को प्रमुखता से दिखाती थीं। कभी अलविदा ना कहना तो सीधे तौर पर न्यूयॉर्क शहर में रहने वाले अनिवासी भारतीयों के रिश्तों पर केंद्रित थी। हालांकि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्मों ने भारतीय संदर्भ में वापसी की, लेकिन वे भी दिल्ली के अमीर बंगाली और पंजाबी परिवारों की कहानियां थीं। करण खुद इस धारणा को तोड़ने की बात करते रहे हैं कि वे केवल पारिवारिक फिल्में या एनआरआई-फ्रेंडली फिल्में बनाते रहे हैं। उनकी फिल्म ऐ दिल है मुश्किल भले ही लंदन और पेरिस में सेट थी, लेकिन अब उनके बैनर से टियर 3 और छोटे शहरों की कहानियां आने वाली हैं।

फिल्म में दिखेगी माधवन और फातिमा की केमिस्ट्री

पहले भी धर्मा प्रोडक्शंस ने छोटे शहरों का रुख किया है, जैसे हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया जो अंबाला में घूमती थी, और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जिसकी कहानी झांसी में सेट थी, जिनमें छोटे शहर का बैकड्रॉप और उत्तर भारतीय संस्कृति देखने को मिली थी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार... धर्मा प्रोडक्शंस अब देश के और अंदरूनी इलाकों में प्रवेश कर रहा है। आप जैसा कोई में माधवन का किरदार जमशेदपुर का एक युवक है, जो कोलकाता में रहने वाली फातिमा से प्यार करता है। यह फिल्म बाकायदा इन लोकेशन्स पर शूट की गई है।

दोनों की यह फिल्म बनकर तैयार है

आप जैसा कोई सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। वहीं केसरी: चैप्टर 2 एक थिएट्रिकल रिलीज थी। सूत्रों के मुताबिक... खुद नेटफ्लिक्स ने धर्मा से ऐसी फिल्म बनाने का अनुरोध किया था। यह फिल्म बनकर तैयार है और अगले महीने तक इसकी घोषणा हो जाएगी। माधवन और फातिमा के अलावा इसमें नमित दास, मनीष चौधरी, आएशा रजा मिश्रा भी हैं। इसमें कई बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के एक्टर्स हैं। तेज दौड़ती भागती जिंदगी जीने वाले लोगों के लिए धर्मा की ओर से एक ठहराव वाली कहानी लाई जा रही है।

एक अलग लुक में दिखाई देंगे माधवन

इसमें धर्मा ने अपनी परंपरा से हटकर एक और अलग प्रयोग किया है। माधवन के किरदार को भी एक नया लुक दिया गया है। उनकी रॉकेट्री, केसरी: चैप्टर 2 जैसी फिल्मों में दिखने वाले चिर-परिचित दाढ़ी-मूंछ वाले लुक के बजाय, उन्हें रहना है तेरे दिल में जैसा वाला लुक दिया गया है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।